www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 277 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
02 दिसम्बर 2025 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:55
सूर्यास्तः 05:24
अधिकतमः 19°00
न्यूनतमः 11°00

» पेज 07

विशेष समाचार | क्या अयातुल्लाह खुमैनी... » पेज 04 | निशांत हत्याकांडः सड़क पर... » पेज 06 | 'हम बहुत रोए'...

100 से ज्यादा घायल, पुलिस ने नकारा आतंकी हमले का एंगल

स्विट्जरलैंड बार धमाके में 40 लोगों की हुई मौत

फॉरेंसिक टीमें मौके से सबूत जुटा रही हैं और बार में मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ वीडियो में बार में आग लगी हुई दिखाई दे रही है, हालांकि पुलिस ने इन वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

दर्दनाक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली,बर्न । स्विट्जरलैंड के क्रांस मोंटाना शहर के 'अल्पाइन स्की रिसॉर्ट' में गुरुवार को न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान विस्फोट हुआ। न्यूज मीडिया द मिरर ने लोकल मीडिया से हवाले से बताया कि विस्फोट में 40 लोग मारे गए हैं, जबकि 100 से ज्यादा घायल हैं।

स्विट्जरलैंड पुलिस ने गुरुवार को स्थानीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

» (शेष पेज 06 पर)

आतिशबाजी की वजह से ब्लास्ट की आशंका

स्विस न्यूज आउटलेट ब्लिक के मुताबिक यह धमाका और उसके बाद लगी आग शायद एक कॉन्सर्ट के दौरान आतिशबाजी की वजह से हुई हो सकती है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। एहतियात के तौर पर विस्फोट वाली जगह और उसके आसपास के इलाके को सील कर दिया गया है।

» (शेष पेज 06 पर)

क्रांस-मोंटाना में हॉलिडे पर बड़ी संख्या में टूरिस्ट आते हैं

क्रांस-मोंटाना स्विट्जरलैंड के आल्प्स पर्वत क्षेत्र में स्थित एक लग्जरी स्की रिसॉर्ट है। यह जगह स्विस राजधानी बर्न से करीब दो घंटे की दूरी पर है और यहां हर साल बड़ी संख्या में टूरिस्ट आते हैं, खासकर सर्दियों और नए साल के समय। यह देश के सबसे खास और महंगे इलाकों में गिना जाता है और अपनी सालभर की धूप के लिए मशहूर है। इसकी वजह यह है कि यह रोन घाटी में एक दक्षिण की ओर ढलान वाले पठार पर स्थित है। समुद्र तल से करीब 1,500 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस इलाके से आल्प्स पर्वत के शानदार नजारे दिखते हैं। क्रांस-मोंटाना की आबादी करीब 15 हजार है।

फिलहाल पीड़ितों की पहचान करने और उनके शवों को जल्द उनके परिवारों को सौंपने की कोशिश जारी है. फिलहाल आसपास का इलाका सील है और वहां फोरेंसिक टीम अपना काम कर रही है

फिलहाल विस्फोट की वजह साफ नहीं है। घटना में कई लोग घायल हुए हैं और कई लोगों की जान चली गई है। मामले की जांच जारी है।
- गाएतान लाथियों स्विस पुलिस प्रवक्ता

हादसे वाली जगह पर मौजूद पुलिसकर्मी।

मशहूर टूरिस्ट प्लेस है क्रान्स-मोंटाना

जिस क्रान्स-मोंटाना जगह पर ये हादसा हुआ है, वो मनमोहक स्विस आल्प्स पर्वतमाला पर है. ये बेहद लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और गोल्फ जैसी गतिविधियों के लिए दुनिया भर से पर्यटकों यहां पहुंचते हैं. यह स्की रिसॉर्ट स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न से लगभग दो घंटे की दूरी पर है.

» (शेष पेज 06 पर)

राजस्थान में प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज

जयपुर । राजस्थान में 1 जनवरी से जनगणना के लिए सभी प्रशासनिक यूनिट फ्रीज हो गई। इसके साथ ही नए जिले, उपखंड, तहसील, गांव, वार्ड बनाने और उनकी सीमाओं के बदलाव पर रोक लग गई। गांव या शहर के किसी भी वार्ड तक की सीमा में कोई फेरबदल नहीं किया जा सकेगा। 2027 में मई-जून तक जनगणना का काम पूरा होने तक यह रोक रहेगी।

लाखों अफसरों और कर्मचारियों के ट्रांसफरों पर भी अगले करीब सवा साल तक रोक रहेगी।

रोक हटने पर गृह मंत्रालय अधिसूचना जारी करेगा। इससे पहले गृह मंत्रालय ने 31 दिसंबर तक नई प्रशासनिक यूनिट बनाने पर जनगणना की रोक हटाई थी। अब नए साल से रोक प्रभावी हो गई। जनगणना के हिसाब से जिले, तहसील, उपखंड, गांव, शहरी निकायों और शहरी वार्डों की सीमाएं तय कर दी।

'शाहरुख खान जैसे गद्दारों को देश में रहने का हक नहीं'

संगीत सोम के बिगड़े बोल, बांग्लादेश से बताया कनेक्शन

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। यूपी के भाजपा नेता संगीत सोम एक बार फिर विवादों में हैं। उन्होंने शाहरुख खान को गद्दार करार दिया है। एक भाषण के दौरान उन्होंने कहा है कि शाहरुख खान जैसे गद्दारों को देश में रहने का हक नहीं है। हालांकि ये पहली दफा नहीं है जब संगीत सोम ने ऐसा बयान दिया है। इससे पहले भी वह विवादित बातें करते आए हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फायर ब्रांड नेता और पूर्व मंत्री संगीत सोम

ने एक भाषण के दौरान शाहरुख खान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसे गद्दारों को देश में रहने का हक नहीं है। एक तरफ बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या की जा रही है और दूसरी तरफ आईपीएल में क्रिकेटरों को खरीदने का काम किया जा रहा है। अभिनेता शाहरुख खान ने बांग्लादेश के क्रिकेटर रहमान को लगभग 9 करोड़ में खरीदा है।

» (शेष पेज 06 पर)

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा बयान

संगीत सोम का ये बयान अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वह कहते नजर आ रहे हैं, रहमान जैसे खिलाड़ी भारत में खेलने आएंगे तो ये घर के बाहर कदम नहीं रख पाएंगे। ये हम दावे के साथ कह रहे हैं। समझना चाहिए शाहरुख खान जैसे गद्दारों को कि जैसा गद्दारी आप देश के साथ कर रहे हैं। आपको यहां तक किसी ने पहुंचाया है तो वह देश के लोगों ने पहुंचाया है। अगर आपको पैसा मिलता है तो इस देश के लोगों से मिलता है। लेकिन उस पैसे से गद्दारी करते हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

एनपीएस में बड़ा बदलाव

बैंकों को पेंशन फंड स्थापित करने की छूट

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) को अधिक प्रतिस्पर्धी, पारदर्शी और इस पर भरोसा करने वाले ग्राहकों के हितों को सुरक्षित बनाने की दिशा में पेंशन फंड नियामक व विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने नए साल की शुरुआत में बड़े नीतिगत सुधारों की घोषणा की है।

इन सुधारों से अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) को अब स्वतंत्र रूप से पेंशन फंड स्थापित कर पेंशन परिसंपत्तियों को स्वतंत्र तरीके से प्रबंधन करने की छूट दे दी है। वित्त मंत्रालय का कहना है कि इससे पेंशन सेक्टर में

प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और नये तरह की सोच आने से ग्राहकों को भी फायदा होगा। नये सुधारों से ग्राहकों को बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ने का दावा किया गया है। सरकार की तरफ से दी गई सूचना के मुताबिक मौजूदा नियामकीय बाधाओं को दूर करने वाले इस फ्रेमवर्क को पीएफ-आरडीए बोर्ड ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। » (शेष पेज 06 पर)

एनपीएस ट्रस्ट बोर्ड में दिनेश कुमार खारा अध्यक्ष नियुक्त।

निवेश प्रबंधन शुल्क की नई स्लैब-आधारित व्यवस्था लागू होगी।

बैंकों को स्वतंत्र पेंशन फंड स्थापित करने की छूट मिली

नए नियमों के तहत नेट वर्थ, बाजार पूंजीकरण और आरबीआई के प्रूडेंशियल मानकों पर आधारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने पर ही पेंशन फंड स्पॉन्सर बनने की अनुमति बैंकों को दी जाएगी।

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

2 दिन के लिए कुरुक्षेत्र आएंगे राहुल गांधी

चंडीगढ़ । हरियाणा में नए साल पर कांग्रेस के दिग्गज नेता जुटेंगे। इनमें सबसे बड़ा नाम राहुल गांधी का है। वह यहां 2 दिन रहकर हरियाणा और उत्तराखंड के कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को ट्रेनिंग देंगे।

घेराबंदी | जांच

सराफा कारोबारी ने दंपती को चाकू से गोदा

मंदसौर । मंदसौर के गोल चौराहा क्षेत्र में बुधवार रात व्यापारिक लेन-देन को लेकर हुई फायरिंग की घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सराफा व्यापारी दिलीप जैन, उनकी पत्नी रेखा जैन और विकास सोनी के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही एसपी विनोद कुमार मीणा, एडिशनल एसपी टीएस बघेल सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। हालात को देखते हुए क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान- गणतंत्र दिवस से पहले पकड़ा पाकिस्तानी घुसपैठिया

जैसलमेर । जैसलमेर जिले में नए साल के जश्न के बीच सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने घुसपैठ कर रहे पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। जिले के नाचना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब 8 बजे BSF की 72वीं बटालियन के जवान गश्त पर थे। इसी दौरान हल्के कोहरे के बीच सीमा पार से एक युवक को भारतीय क्षेत्र की ओर आते देखा।

धारदार हथियारों से हमला, अस्पताल में भर्ती, 15 दिन में हिंदू को जलाने का दूसरा मामला

बांग्लादेश में फिर हिंदू शख्स पर हुआ हमला

आग में झुलसे हिंदू शख्स खोकोन दास का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इलाज

तमसा संकेत, एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में फिर से एक हिंदू शख्स को जलाने का मामला सामने आया है। शरियतपुर जिले में 31 दिसंबर को 50 वर्षीय खोकोन दास पर भीड़ ने हमला कर दिया।

खोकोन दास घर लौट रहे थे, तभी कुछ लोगों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। पहले उन पर धारदार हथियारों से हमला किया गया, फिर बेरहमी से पीटा गया और आग के हवाले कर दिया गया। इस हमले में

वे गंभीर रूप से झुलस गए। घायल अवस्था में खोकोन दास को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है।

» (शेष पेज 06 पर)

पिछले महीने हिंदू युवक को पेड़ पर लटकाकर जलाया

बांग्लादेश में 15 दिन के भीतर दूसरी बार हिंदू शख्स को हवाले किया गया है। इससे पहले 18 दिसंबर को मैमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। इसके बाद उनके शव को पेड़ पर लटकाकर आग लगा दी गई थी। दीपू दास को भीड़ ने ईशनिंदा के झूठे आरोप लगाकर पीटा था। वे एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करते थे।

» (शेष पेज 06 पर)

पहली वंदे भारत चलेगी स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी-कोलकाता के बीच

वैष्णव बोले- बुलेट ट्रेन अगले साल 15 अगस्त को शुरू

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेगी। थर्ड एसी का किराया 2,300 तय किया गया है। सेकेंड एसी का किराया 3,000 होगा। फर्स्ट AC का किराया करीब 3,600 प्रस्तावित किया गया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का ट्रायल, टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन पूरा कर लिया है।

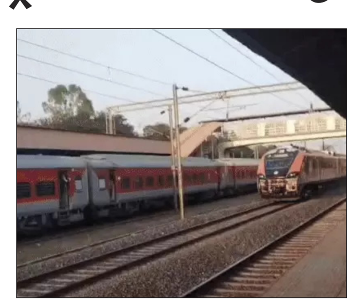

स्लीपर ट्रेन को 1000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस साल के आखिर तक लगभग 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें तैयार हो जाएंगी।

दो दिन पहले इस ट्रेन का ट्रायल रन किया गया था।

» (शेष पेज 06 पर)

रेलमंत्री बोले- पीएम जल्द ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे

रेलमंत्री वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी जल्द ही पहली स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा, लंबे समय से नई जनरेशन की ट्रेनों की मांग हो रही थी। वंदे भारत चेयर कार ने भारतीय रेलवे में एक नए युग की शुरुआत की। लोगों को यह बहुत पसंद आने लगी। देश के कोने-कोने से वंदे भारत ट्रेनें चलाने की मांग हो रही है।

भू-माफिया पर जीरो टालरेंस : सीएम योगी

योगी की संवेदनशीलता से मिली 'छांव'

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ । देश की आन बचाने के लिए देश की सीमा पर पहरा देने वाले स्वर्गीय मेजर की बीमार पुत्री को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल से जब 24 घंटे के अंदर ही न्याय मिला तो उसके मुंह से बरबस ही निकल पड़ा, थैंक्यू योगी अंकल! गॉड ब्लेस यू। पिता स्व. बिपिन चंद्र भट्ट के बाद भाई और बहन को भी खो देने वाली अंजना सीजोफ्रेनिया से जूझ रही हैं। प्रताड़ित अंजना ने बुधवार को दोपहर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर भेंट की और अपने साथ हुए अत्याचार से अवगत कराया। दबंगों की प्रताड़ना की शिकार एक मेजर की बेटी अंजना के

लखनऊ में मेजर की बीमार बेटी को 24 घंटे में मिला मकान पर कब्जा, दो गिरफ्तार

लिए नये साल 2026 का पहला दिन जमाने भर की खुशियां लेकर आया जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश पर सिर्फ 24 घंटे के अंदर पुलिस ने उसका करोड़ों का मकान उसे दिलाकर दोनों भू माफिया को गिरफ्तार कर लिया है।

» (शेष पेज 06 पर)

मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट : इससे पानी में मिले जानलेवा बैक्टीरिया, अब तक 1400 लोग इन्फेक्टेड

इंदौर में 14 मौतों की वजह बना पाइपलाइन में लीकेज

तमसा संकेत, एजेंसी

इंदौर । इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों और बीमारियों पर अब सरकारी रिपोर्ट की मुहर भी लग गई है। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी ने कहा- महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज की लैब में जांचे गए पानी के नमूनों की रिपोर्ट आज स्वास्थ्य विभाग को मिल गई है। इसमें साफ तौर पर पुष्टि हुई है कि दूषित पानी पीने से ही लोग बीमार पड़े और उनकी जान गई।

हसानी ने कहा- पाइपलाइन में लीकेज के कारण पानी दूषित हुआ

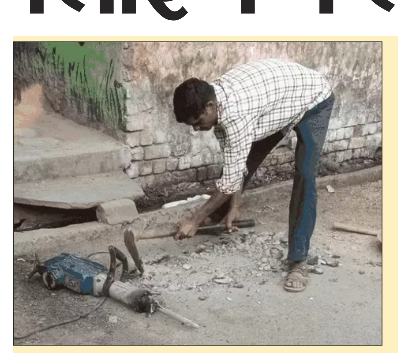

बता दें कि देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से अब तक 14 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। वहीं, करीब 1400 लोग इन्फेक्शन के शिकार हुए हैं।

है। यह किस जगह और किस लेवल का है, इसके बारे में संबंधित अधिकारी ही बता पाएंगे। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी माना कि भागीरथपुरा के पेयजल में सीवेज का पानी मिलने से हालात बिगड़े हैं। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि चौकी के पास जो लीकेज वाली जगह है, वहीं इसकी सबसे प्रमुख आशंका है। » (शेष पेज 06 पर)

धार के सरदारपुरा में सीएमओ ने नलों का पानी पीने से मना किया

धार के सरदारपुरा में करीब एक सप्ताह से नलों में गंदा पानी आ रहा है। लोगों ने शिकायत की, लेकिन तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब इंदौर में मौतों के बाद नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) यशवंत शुक्ला ने लोगों से कहा है कि नलों का पानी नहीं पीएं। उन्होंने ये निर्देश शालिनी मार्ग वार्ड क्रमांक 6 के लिए दिए हैं। लोगों का कहना है कि गंदे पानी की आपूर्ति के कारण वे बाजार से पानी खरीदने या ट्यूबवेल और अन्य स्थानों से पानी लाने को मजबूर हैं। आशंका है कि पेयजल लाइन में नाली या सीवेज का पानी मिल रहा है।

201 मरीज एडमिट, 32 आईसीयू में

इंदौर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव हसानी ने बताया कि भागीरथपुरा में आज विभाग ने 21 टीमें बनाईं। इनमें डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, एएनएम और आशा कार्यकर्ता शामिल हैं। सात एम्बुलेंस से मरीजों को एमवाय, अरविंदो अस्पताल जबकि बच्चों को चाचा नेहरू अस्पताल रेफर किया गया। जो मरीज निजी अस्पतालों में जा रहे हैं, वहां उनके मुफ्त इलाज के लिए निर्देशित किया गया है। हसानी के मुताबिक, गुरुवार को 1714 घरों का सर्वे किया गया। 8571 लोगों की जांच की गई। 338 मरीजों को स्पॉट पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। आज तक कुल 272 मरीज अस्पतालों में भर्ती किए गए थे। जिनमें से 71 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री का सख्त आदेश- आरोपी को अरेस्ट करो, विभाग के डॉक्टरों ने बयान दिए

सीएम योगी से मिली लव जिहाद पीड़ित डॉक्टर

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ KGMU में चल रहे लव जिहाद प्रकरण में बुधवार का दिन अहम रहा। पीड़ित डॉक्टर सीएम योगी से मिली। सीएम योगी ने आरोपी डॉक्टर ने आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी का सख्त आदेश दिया। इधर यूनिवर्सिटी परिसर में पैथोलॉजी विभाग के डॉक्टरों के बयान दर्ज किए गए। हालांकि, HOD अब भी यूनिवर्सिटी नहीं लौटे हैं जिससे उनका बयान नहीं हो सका। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे सभी 7 सदस्यीय मेंबर्स की मौजूदगी में जांच टीम ने पैथोलॉजी विभाग में कार्रवाई शुरू की। जांच टीम में पैथोलॉजी विभाग के वह प्रोफेसर भी शामिल हुए, जिन पर लैब के अंदर नमाज और तकरीरें पढ़ने का आरोप था। जांच कमेटी के सामने बचाव पक्ष की तरफ से भी खुलकर बातें रखी गईं।

डॉ. रमीजुद्दीन नायक, आरोपी

वहीं, पीड़ित डॉक्टर से सीएम योगी ने इंसाफ दिलाने का वादा किया है। पुलिस अफसरों को सख्त मैसेज दिया गया है कि आरोपी डॉक्टर को किसी भी हालत में गिरफ्तार करके लाओ। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई का भरोसा दिया है। पीड़ित और सीएम योगी की यह मुलाकात पूरी तरह गोपनीय रखी गई।

मुख्यमंत्री से मुलाकात की खबर से केजीएमयू में भी हड़कंप

इस बीच बुधवार शाम KGMU की पीड़ित डॉक्टर अपनी मां के साथ मुख्यमंत्री से मिली। मुलाकात के दौरान पीड़ित डॉक्टर ने अपनी आपबीती सुनाई। मौके पर ही सीएम ने अफसरों को तत्काल एक्शन के निर्देश देते हुए बिना देर किए आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों की मानें तो मुलाकात के दौरान पीड़िता और उसकी मां द्वारा अब तक दोषी के पुलिस की गिरफ्त से दूर होने की बात कही। आप बीती सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए बिना देर किए कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही पीड़ित को न्याय का भरोसा दिलाया। वहीं, पीड़िता की मुख्यमंत्री से मुलाकात करने की खबर जैसे ही कैंपस पहुंची। यहां भी माहौल गरमा गया। तमाम तरह की अटकलें लगाई जाने लगी।

केजीएमयू धर्मांतरण केस की पीड़िता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपनी मां के साथ मुलाकात की।

विशेष समुदाय की अधिक तैनाती के आरोप निराधार

डॉ. केके सिंह ने बताया कि हिन्दू संगठनों ने आरोप लगाया था कि आउटसोर्सिंग में विशेष समुदाय के लोगों की अधिक संख्या में तैनाती की गई। जांच में विश्वविद्यालय में तैनात कुल 3,995 आउटसोर्सिंग कर्मचारियों में केवल 289 अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। पैथोलॉजी विभाग के 51 कर्मियों में से दो और पीओसीटी के 174 में से मात्र 25 अल्पसंख्यक हैं।

बहुत जल्द जांच पूरी कर रिपोर्ट भेजी जाएगी

KGMU प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि कुलपति के आदेश पर पहले 5 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया गया था। बाद में इस कमेटी में दो सदस्य और बढ़ाए गए थे। बुधवार को दोपहर बाद जांच टीम ने बैठक कर विभागीय डॉक्टरों से पूछताछ की है। सभी का ऑफिशियल बयान भी दर्ज किया गया है। जांच पूरी करके रिपोर्ट कुलपति को भेज दी जाएगी।

किशोर के सिर पर पिस्टल लगाया, नंगाकर पीटा

न्यूईयर कए रात गाड़ए में बैठाकर घइमाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में थर्टी फर्स्ट की रात दबंगों ने एक किशोर को अगवा कर लिया। उसे कार में डालकर सुनसान जगह ले गए। पिस्टल निकालकर उसके सिर पर लगा दिया। इसके बाद जमकर पिटाई की। इस दौरान कपड़े उतरवाकर उसे नंगा भी कर दिया। पीड़ित किशोर हाथ जोड़कर माफी मांगता रहा, लेकिन दबंग उसे मारते रहे। करीब पांच घंटे तक उसे बंधक बनाकर रखा गया। घर से 5 लाख रुपए लाने को बोलकर उसे गुरुवार सुबह छह बजे छोड़ दिया गया।

एक वीडियो मिला है, जिसमें दबंग पिस्टल लगाकर लड़के को पीट रहे हैं। कपड़े उतरवा रहे हैं। पीड़ित परिवार के अनुसार, राजाजीपुरम इलाके से 31 दिसंबर की रात करीब दो बजे लड़के को घर के बाहर से जबरन चार पहिया वाहन में बैठाकर ले जाया गया। पुलिस को तहरीर देने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई। वीडियो में दबंग गाड़ी के अंदर पिस्टल लगाकर किशोर को पीट रहे हैं। किशोर बार-बार हाथ जोड़कर माफी मांग रहा है। जबरन उसके कपड़े उतरवाए जा रहे हैं। मारपीट के दौरान उसे लगातार डराया-धमकाया जा रहा है। पीड़ित ने पुलिस को बताया- दबंगों ने अवैध पिस्टल उसकी कनपटी पर सटाकर कहा कि अगर पांच लाख रुपए नहीं दिए तो जान से मार देंगे। रकम सुबह तक देने का दबाव बनाया गया। करीब चार से पांच घंटे तक बंधक बनाए रखने के बाद सुबह करीब छह बजे छोड़ दिया।

फास्ट न्यूज

लखनऊ छावनी में बनेगा 10 करोड़ का मल्टी यूटिलिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

लखनऊ। छावनी परिषद अब अपने यहां खेलकूद गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा। परिषद दिलकुशा गार्डेन के पास करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से मल्टी यूटिलिटी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स बनाएगा। इसका निर्माण एचएएल से सीएसआर फंड से किया जाएगा। सोमवार को छावनी परिषद और एचएएल के बीच एक एमओयू पर भी हस्ताक्षर हुए।

24 दिन में 90 लाख रुपये ट्रांसफर

लखनऊ। साइबर जालसाजों ने वित्त विभाग से सेवानिवृत्त 73 वर्षीय अधिकारी अमरजीत सिंह मनी लॉड्रिंग के मामले में परिवार समेत जेल भेजने के नाम पर फंसाया। फिर 24 दिन तक(एक से 24 दिसंबर) डिजिटल अरेस्ट कर 90 लाख रुपये उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और झारखंड समेत अन्य राज्यों के खातों में ट्रांसफर करवा लिए। पिता को परेशान देख बेटे को शक हुआ तो पूछा। दबाव बनाने पर जानकारी दी,जिसके बाद साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर साइबर क्राइम थाना बृजेश कुमार यादव के मुताबिक मामले 15 लाख रुपये जालसाजों के खाते में फ्रीज कराया गया है।

नए साल पर लखनऊ चिड़ियाघर में उमड़ी रिकॉर्ड तोड़ भीड़

लखनऊ। नए साल के पहले दिन लखनऊ स्थित नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान में दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। सुबह से ही उमड़ने लगी भीड़ शाम तक जारी रही और कुल 24,592 लोगों ने प्राणी उद्यान का भ्रमण किया। यह आंकड़ा पिछले दो वर्षों की तुलना में कहीं अधिक रहा, जब 2024 में 17,507 और 2025 में 17,630 दर्शक पहुंचे थे।

विवाहिता की मौत, हत्या का आरोप थाने में तहरीर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सहादतगंज इलाके में एक विवाहिता की मौत हो गई। ससुराल पक्ष ने महिला के आत्महत्या करने की जानकारी दी, जबकि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाते हुए सहादतगंज थाने में तहरीर दी है। मृतका के पिता का आरोप है कि लड़के वालों ने झूठ बोलकर शादी कराई थी और शादी के बाद से ही बेटी को प्रताड़ित किया जा रहा था।

सहादतगंज निवासी शरीन (24) की शादी 16 अगस्त 2019 को अल्लमस समीर से हुई थी। मृतका के पिता मोहम्मद शाहिद ने बताया कि बुधवार रात करीब 8.30 बजे शरीन के देवर मोनू ने फोन कर बताया कि शरीन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

जानकारी मिलने पर परिजन खुर्रमनगर स्थित फास्टर अपार्टमेंट पहुंचे, जहां घर खाली मिला। आसपास पूछताछ करने पर पता चला कि परिवार वहां से सहादतगंज शिफ्ट हो गया है। नए पते पर पहुंचने पर लोगों ने बताया कि शरीन को एरा हॉस्पिटल ले जाया गया है। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता मोहम्मद शाहिद का आरोप है कि शादी के बाद से ही शरीन को प्रताड़ित किया जा रहा था। पति आए दिन उसके साथ गाली-गलौज करता था। मारपीट करता था। मुझे आए दिन रात में फोन करके गालियां देता था।

पिता बोले- 6 महीने से बेटी से नहीं हुई थी बात, झूठ बोलकर कराई गई थी शादी

मा0 उप मुख्यमंत्री जी की उपस्थिति में 'नया साल बुजुर्गों के साथ' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने बुजुर्गों को वितरित किए कंबल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। कानपुर देहात की मैथा तहसील क्षेत्र अंतर्गत रामजानकी महाविद्यालय, बैरी असई परिसर में नया साल बुजुर्गों के साथ कार्यक्रम का भव्य आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुजुर्गों को कंबल वितरित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उपस्थित जनसमूह को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमारी सरकार का मूल मंत्र सेवा, सुरक्षा और संवेदनशीलता है और इसी भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं एवं सहायता को पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला एवं पूर्व सांसद द्वारा किए जा रहे जनसेवा के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में उपस्थित कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि शीतलहर के बीच इस प्रकार का आयोजन सरकार एवं जनप्रतिनिधियों की संवेदनशील सोच को दर्शाता है, जिसमें समाज के कमजोर, बुजुर्ग एवं जरूरतमंद वर्ग को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि क्षेत्र में पड़ रही भीषण ठंड को देखते हुए मैथा मंडल के प्रत्येक गांव से बुजुर्गों को आमंत्रित किया गया, ताकि उन्हें समय रहते राहत उपलब्ध कराई जा सके।

कई हजार बुजुर्गों को कंबलों का वितरण

कड़ाके की ठंड एवं शीतलहर को दृष्टिगत रखते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में कई हजार बुजुर्गों को कंबलों का वितरण किया। इसके साथ ही बुजुर्गों के सम्मान, आत्मीयता एवं अपनत्व का ध्यान में रखते हुए उनके लिए विशाल महाभोज का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मैथा मंडल सहित आसपास के क्षेत्रों से आए हजारों बुजुर्गों ने सहभागिता की।

नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर जनपद कानपुर देहात में मानवता, सेवा और संवेदनशीलता का प्रेरणादायी उदाहरण देखने को मिला। शीतलहर से प्रभावित बुजुर्गों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला तथा पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी के संयोजन में "नया साल बुजुर्गों के साथ" कार्यक्रम का भव्य आयोजन मैथा तहसील क्षेत्र अंतर्गत रामजानकी महाविद्यालय, बैरी असई परिसर में किया गया।

नववर्ष पर सेवा का संकल्प: उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुजुर्गों को बांटे कंबल

नए साल की शुरुआत बुजुर्गों के साथ-मा0 उप मुख्यमंत्री का संवेदनशील संदेश

कानपुर देहात में मानवता की मिसाल, उप मुख्यमंत्री की उपस्थिति में बुजुर्गों को मिला सहारा

जनता की भारी सहभागिता और उत्साह को देखते हुए लिया गया निर्णय

बिजली बिल राहत योजना : 2025 के प्रथम चरण की अवधि तीन दिन और बढ़ी

- **दशकों पुराने बकाया बिलों से मिली बड़ी राहत**
- **मंत्री श्री ए. के. शर्मा की जनहितकारी सोच का परिणाम बिजली बिल राहत योजना**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा की संवेदनशील एवं जनहितकारी पहल पर बिजली बिल राहत योजना–2025 के प्रथम चरण की अवधि को तीन दिन और बढ़ा दिया गया है। पहले चरण के अंतिम दिन देर रात तक चले राहत शिविरों में उमड़ी भारी भीड़, आमजन की व्यापक भागीदारी और योजना के प्रति गहरी रुचि को देखते हुए मंत्री श्री शर्मा ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया। अब यह योजना, जो पहले दिसंबर माह तक सीमित थी, 03 जनवरी तक लागू रहेगी, जिससे अधिक से अधिक पात्र उपभोक्ता इसका लाभ ले सकेंगे। मंत्री श्री ए. के. शर्मा की उस जनकल्याणकारी सोच का सशक्त उदाहरण है, जिसमें सरकार और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। मंत्री श्री शर्मा का मानना है कि शासन का दायित्व केवल राजस्व संग्रह नहीं, बल्कि आम नागरिक को राहत देकर उसे सशक्त बनाना भी है। इसी भावना के साथ योजना की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

प्रथम चरण रहा ऐतिहासिक रूप से सफल

बिजली बिल राहत योजना –2025 का पहला चरण अत्यंत सफल रहा है। मंत्री श्री ए. के. शर्मा के कुशल नेतृत्व और सतत निगरानी में प्रदेशभर में आयोजित राहत शिविरों के माध्यम से लगभग 31 लाख विद्युत उपभोक्ताओं ने इस योजना का प्रत्यक्ष लाभ उठाया। इस दौरान उपभोक्ताओं को 5363 करोड़ रुपये से अधिक की बिल छूट प्रदान की गई, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

- **इस योजना के अंतर्गत वर्षों नहीं बल्कि दशकों पुराने बकाया बिजली बिलों पर भी उपभोक्ताओं को तीन-चौथाई तक की छूट दी गई है।**
- **इससे लाखों परिवारों को लंबे समय से चले आ रहे सरकारी बकाये के मानसिक और आर्थिक बोझ से राहत मिली है।**
- **योजना ने विशेष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग और छोटे उपभोक्ताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है।**

पात्र विद्युत उपभोक्ताओं से योजना का लाभ उठाने की अपील

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने सभी पात्र विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 03 जनवरी तक नजदीकी बिजली बिल राहत शिविरों में पहुंचकर योजना का लाभ अवश्य उठाएं और अपने ऊपर वर्षों से चले आ रहे सरकारी बकाये के बोझ से स्वयं को मुक्त करें। उन्होंने विश्वास जताया कि यह योजना प्रदेश में सामाजिक एवं आर्थिक राहत का मजबूत आधार बनेगी।

राजधानी में मोबाइल शॉप में लगी भीषण आग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। न्यू ईयर के आखिरी दिन लखनऊ के नाका हिंडोला इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आर्य नगर स्थित एक गोदाम में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई, जिसके बाद गोदाम से धुएं का गुबार उठने लगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया।

बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। धुआं उठता देख आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। आग नाका हिंडोला क्षेत्र में स्थित बंसल मोबाइल की दुकान और गोदाम में लगी है। बंसल मोबाइल इलाके में मोबाइल फोन के बड़े होलसेल सप्लायर के रूप में जाना जाता है। गोदाम के ऊपर बने हिस्से से लगातार धुआं निकलता रहा, जिससे नुकसान की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। नाका हिंडोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को घेराबंदी कर सुरक्षित कराया। किसी के अंदर फंसे होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने आसपास के लोगों को दूर हटाया। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने गोदाम में लगी आग को काबू में करने के लिए मोर्चा संभाल लिया है।

2 मीटर ऊंची उठी लपटें, लोगों में मची अफरा-तफरी, फायर टीम ने 1घंटे में काबू पाया

निर्देश : खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत स्थापित इकाइयों के थर्ड पार्टी निरीक्षण में तेजी लाने के निर्देश

उत्तर प्रदेश में कराया जा रहा है अधिक से अधिक पूंजी निवेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने उ0प्र0 खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत स्थापित इकाइयों के थर्ड पार्टी निरीक्षण में तेजी लाने के निर्देश सभी सम्बन्धित को दिये हैं।उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति -2023 के तहत प्राप्त परियोजना प्रस्तावों पर समयबद्ध कार्यवाही करने, समय से अनापत्ति प्रमाण पत्र दिलाने,स्थापित इकाइयों के सब्सिडी आदि के प्रकरणों की समीक्षा करते रहने व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के क्रियान्वयन पर विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। इसी कड़ी मे अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी एल मीना ने श्रीमती पद्मजा चौहान,अपर पुलिस महानिदेशक,अग्निशमन सेवा मुख्यालय,को,खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के अंतर्गत अनुदान हेतु आवेदन करने वाले उद्यमियों के अग्निशमन संबंधित समस्याओं के निवारण हेतु संदर्भित प्रकरणों के बारे मे तत्काल रूचि लेते हुये एवं प्रकरण पर त्वरित कार्यवाही करते हुये उद्यमियों की समस्याओं का निवारण तत्काल करते हुये उनको अग्निशमन प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने एवं उनको अग्निशमन संबंधित समस्या का समाधान तत्काल कराने के लिए भूरि भूरि प्रशंसा की है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है व इस उत्कृष्ट सराहनीय कार्य के लिये गृह विभाग को पत्र प्रेषित किया है। इसी तरह खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के अंतर्गत अनुदान हेतु आवेदन करने वाले उद्यमियों के पर्यावरण संबंधित समस्याओं के निवारण हेतु संदर्भित किये प्रकरणों पर तत्काल रूचि लेते हुये एवं प्रकरण पर त्वरित कार्यवाही करते हुये उद्यमियों की समस्याओं का निवारण तत्काल करते हुये उनको पर्यावरण संबंधित अनापत्ति प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने एवं उनको पर्यावरण संबंधित समस्या का समाधान तत्काल कराने के कार्य के लिये श्री संजीव सिंह,सदस्य सचिव,पर्यावरण विभाग,प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,लखनऊ की भूरि भूरि प्रशंसा की है व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये इस उत्कृष्ट सराहनीय कार्य के लिये चन्, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एवं अध्यक्ष, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उत्तर प्रदेश को पत्र प्रेषित किया है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्योगों के माध्यम से उत्तर प्रदेश में अधिक से अधिक पूंजी निवेश कराया जा रहा है। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति -2023 व पीएमएफएमई योजना के क्रियान्वयन मे बेहतर व उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये है, ताकि उनसे प्रेरणा लेकर अन्य अधिकारी भी अच्छा कार्य कर सकें।

इस उत्कृष्ट सराहनीय कार्य के लिये नियुक्ति विभाग को पत्र प्रेषित किया

इसी तरह खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के अंतर्गत अनुदान हेतु आवेदन करने वाले उद्यमियों की विद्युत संबंधित समस्याओं के निवारण हेतु संदर्भित प्रकरणों पर तत्काल रूचि लेते हुये एवं प्रकरण पर त्वरित कार्यवाही करते हुये उद्यमियों की समस्याओं का निवारण तत्काल करते हुये उनको विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराये जाने एवं उनकी विद्युत समस्या का समाधान कराये जाने के कार्य के लिये श्री पंकज कुमार,प्रबंध निदेशक,उत्तर प्रदेश पॉवर कार्पोरेशन लि० (मुख्यालय)लखनऊ की भूरि भूरि प्रशंसा की है व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये इस उत्कृष्ट सराहनीय कार्य के लिये नियुक्ति विभाग को पत्र प्रेषित किया है।

न्यू ईयर पार्टी से लौट रहे 2 युवकों की मौत 1 घायल

1 घायल का चल रहा इलाज, लखनऊ में बेकाबू कार नहर में गिरी थी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बेकाबू कार नहर में गिर गई, जिससे न्यू ईयर पार्टी से लौट रहे 2 युवकों की मौत हो गई। एक घायल युवक का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतकों का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

पलिया महिगवां के रहने वाले विनोद यादव प्रॉपर्टी का काम करते थे। बुधवार को कार से दोस्तों के साथ नए साल की पार्टी से लौट रहे थे। उनके साथ में कल्ली पश्चिम पीजीआई निवासी अरुण (22) और कुंवर साथ में थे।

अरुण की 18 अप्रैल को आलमबाग की रहने वाली नीतू से शादी हुई थी। बुधवार को भी वह आलमबाग पत्नी से मिलने ससुराल गया था। उसके बाद दोस्त के साथ निकला था। घटना के बाद से परिजनों का बुरा हाल है।

अरुण का दोस्त घर से बुलाकर ले गया

अरुण के पिता संतोष कुमार ने बताया वह मेडिकल स्टोर पर काम करता था। एक महीने पहले ही काम छोड़ा था। बुधवार को सुबह करीब 11 बजे घर से 500 मीटर की दूर पर रहने वाला कुंवर घर से बुलाकर ले गया था। देर रात कुंवर के घर से पता चला कि एक्सीडेंट हो गया है। गुडंबा स्थित अस्पताल बुलाया गया। वहां पहुंचने पर मौत का पता चला।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने की गहन समीक्षा, कई अधिकारियों पर कार्रवाई

स्वास्थ्य योजनाओं पर सख्ती

निर्देश

बृजेन्द्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति सुधारने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनपद में संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान खराब प्रगति और संतोषजनक जवाब न देने पर कई अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सभी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में बताया गया कि विशेष गैर संचारी रोग अभियान एक जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शीतकाल को देखते हुए नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को लेकर न्यूवार्न केयर यूनिट, न्यूवॉर्न स्पेशलाइजेशन यूनिट और सिक न्यूबोर्न केयर यूनिट में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। सभी आवश्यक उपकरणों को नियमित रूप से क्रियाशील रखने पर जोर दिया गया।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत गोल्डन कार्ड बनाने की धीमी प्रगति पर असंतोष जताते हुए जिलाधिकारी ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक सीएचओ को प्रतिदिन कम से कम 10 गोल्डन कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया और इसकी नियमित समीक्षा के निर्देश दिए।

टीकाकरण में शत-प्रतिशत लक्ष्य का निर्देश

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि टीकाकरण से आच्छादित बच्चों की स्थिति का रेंडम सत्यापन कराया जाए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण से वंचित और ओवरड्यू बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही जनपद के सभी राजस्व ग्रामों और शहरी वार्डों में पांच वर्ष तक के बच्चों का ग्रामवार और वार्डवार टीकाकरण विवरण रजिस्टर तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि निगरानी व्यवस्था मजबूत हो सके।

खराब प्रगति पर कड़ी कार्रवाई

बैठक में शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम की प्रगति स्वास्थ्य विभाग के डैशबोर्ड पर खराब पाए जाने पर नोडल अधिकारी का वेतन रोकने और स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा बच्चों के पूर्ण टीकाकरण में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी की खराब प्रगति और संतोषजनक विवरण न दे पाने पर एमओआईसी बसखारी का वेतन रोकने और स्पष्टीकरण जारी करने का आदेश दिया गया।

आशाओं के कार्य क्षेत्र के समानुपातिक आवंटन में देरी और कार्य सही ढंग से न कर पाने पर जिला सामुदायिक प्रक्रिया प्रबंधक की संविदा समाप्त करने का नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

राहत इंदौरी की 76वीं जयंती पर भूलेपुर में सजा भव्य मुशायरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। प्रसिद्ध शायर राहत इंदौरी की 76वीं जयंती के अवसर पर हंसवर क्षेत्र के भूलेपुर में एक भव्य और यादगार मुशायरे का आयोजन किया गया। साहित्य और शायरी को समर्पित यह आयोजन देर रात तक चला, जिसमें जनपद सहित आसपास के क्षेत्रों से आए शायरी प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुशायरे में राहत इंदौरी के फन, उनके विचारों और सामाजिक सरोकारों को शायरी के माध्यम से याद किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में सितारे उर्दू अवार्ड से सम्मानित मोहम्मद शफी तथा नेशनल इंटर कॉलेज हंसवर के शिक्षक मोहम्मद असलम खान ने राहत इंदौरी की शायरी पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि राहत इंदौरी की रचनाओं में देशभक्ति, इंसानियत, सच्चाई और बेबाकी साफ दिखाई देती है। उन्होंने शायरी को समाज की सच्चाइयों से जोड़ते हुए निर्भीक अंदाज में प्रस्तुत किया, जिससे वे हर वर्ग के लोगों में लोकप्रिय बने। वक्ताओं ने यह भी कहा कि राहत इंदौरी की शायरी ने देश की सीमाओं से बाहर भी अपनी पहचान बनाई और विदेशों में भी उनके कलाम को सराहा गया। संरक्षक मुसाब अजीम ने अपने संबोधन में कहा कि राहत इंदौरी ने मुशायरे की परंपरा को नया मिजाज दिया। उन्होंने शायर और श्रोता के बीच की दूरी को समाप्त कर शायरी को आम आदमी से जोड़ा। उनकी आवाज, अंदाज और विचारों ने मुशायरों को जीवंत बना दिया और युवा पीढ़ी को भी उर्दू शायरी से जोड़ने का काम किया।

डॉ. अजीम अशरफ ने कहा कि राहत इंदौरी ने आम आदमी की जिंदगी, उसके संघर्ष और भावनाओं को अपनी शायरी में जगह दी।

साहित्यिक माहौल में हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

मुशायरे का आयोजन मुसाब अजीम के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इकरामुल हक ने की, जबकि संचालन की जिम्मेदारी अबूसाद अंसारी ने संभाली। आयोजन की शुरुआत राहत इंदौरी के व्यक्तित्व और साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए की गई। इस अवसर पर हाफिज महबूब आलम विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

युवक की चाकू गोदकर हत्या

प्रयागराज । प्रयागराज में बुधवार देर रात एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। युवक नए साल का जश्न मनाने के लिए अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने गया था। वहां उसने शराब पी और जमकर मस्ती की। जब देर रात तक वह घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने आसपास के इलाके में उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और पड़ोसियों से संपर्क किया लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं मिला।

बार काउंसिल सदस्य पद प्रत्याशी फ़ैज़ी को अंबेडकरनगर में मिला अधिवक्ताओं का व्यापक समर्थन

अंबेडकर नगर। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य पद के प्रत्याशी सैयद महफ़ूज़ूर रहमान फ़ैज़ी के समर्थन में अंबेडकरनगर में अधिवक्ताओं की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर और तहसील अकबरपुर में हुए संपर्क कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। इस दौरान अधिवक्ता समाज में उत्साह, सक्रियता और एकजुटता स्पष्ट रूप से नजर आई।

बाबा साहेब का आपत्तिजनक वीडियो वायरल

वाराणसी । वाराणसी जनपद के फूलपुर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक आपत्तिजनक वीडियो को लेकर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। आरोप है कि एक युवक ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के पुतले से जुड़ा आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

वीडियो सामने आते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया ।

जनपद अम्बेडकरनगर में 2026 के लिए साप्ताहिक बंदी के दिन घोषित

तमसा संकेत, संवाददाता

दुकान एवं वाणिज्यिक अधिष्ठानों पर लागू होगा नया आदेश
- बृजेन्द्र वीर सिंह

अंबेडकरनगर। जनपद अम्बेडकरनगर में वर्ष 2026 के लिए दुकानों एवं वाणिज्यिक अधिष्ठानों की साप्ताहिक बंदी के दिन निर्धारित कर दिए गए हैं। उ.प्र. दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम, 1962 की धारा 8(2) के अंतर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिलाधिकारी द्वारा यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के तहत जनपद के विभिन्न नगरों और बाजार क्षेत्रों में अलग-अलग साप्ताहिक बंदी के दिन लागू रहेंगे।

जारी आदेश के अनुसार जनपद मुख्यालय अकबरपुर में साप्ताहिक बंदी मंगलवार को रहेगी। जलालपुर क्षेत्र में सोमवार, टाण्डा में रविवार तथा राजेसुल्तानपुर में शनिवार को सभी दुकानें और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। इसी प्रकार बसखारी में मंगलवार और जहांगीर-गंज में रविवार को साप्ताहिक बंदी लागू की गई है।

इल्तिफ़ातगंज में शुक्रवार को साप्ताहिक बंदी रहेगी, जबकि महरुआ बाजार में रविवार को दुकानें बंद रहेंगी। केदारनगर और रफीगंज में शनिवार को बंदी निर्धारित की गई है। हंसवर, किछौछा, भूलेपुर तथा देवरिया बाजार में रविवार को साप्ताहिक बंदी लागू रहेगी।

बन्दीपुर (भियांव) क्षेत्र में सोमवार को साप्ताहिक बंदी रहेगी। मित्तुपुर बाजार में भी सोमवार को दुकानें बंद रहेंगी। कटेहरी क्षेत्र के लिए मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है, जबकि रामनगर में रविवार को साप्ताहिक बंदी लागू होगी। आदेश में कुछ विशेष प्रकार के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए अलग से साप्ताहिक बंदी के दिन तय किए गए हैं। अकबरपुर नगर पालिका क्षेत्र में स्थित ट्रैक्टर एजेंसियों के लिए रविवार को साप्ताहिक बंदी रहेगी।

महरुआ थाना प्रभारी लाइन हाजिर एसपी की कार्रवाई

शिकायतों और कार्यप्रणाली पर सवाल, देर शाम जारी हुआ आदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद में कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने बुधवार देर शाम बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की। महरुआ थाना प्रभारी यादवेंद्र सोनकर को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया। यह निर्णय विभागीय कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था की स्थिति और थाने से जुड़ी लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए किया गया है। इस कार्रवाई के बाद जिले के पुलिस महकमे में हलचल देखी गई।

शिकायतों के आधार पर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारी से रिपोर्ट तलब की थी। विभागीय स्तर पर मामले की प्राथमिक समीक्षा की गई, लेकिन प्रस्तुत स्पष्टीकरण को संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया। बुधवार देर शाम जारी आदेश में थाना प्रभारी को लाइन हाजिर करने के निर्देश दिए गए। लाइन हाजिर करने के साथ-साथ पूरे मामले की विस्तृत जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार जांच में थाना क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, दर्ज मुकदमों की स्थिति, विवेचनाओं की प्रगति और जनशिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की विभागीय कार्रवाई तय की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद जिले के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

लगातार मिल रही थीं शिकायतें

सूत्रों के अनुसार महरुआ थाना क्षेत्र को लेकर बीते कुछ समय से पुलिस मुख्यालय को लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इन शिकायतों में विवेचनाओं में लापरवाही, जनशिकायतों के समयबद्ध निस्तारण में देरी और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के प्रभावी नियंत्रण में कमी जैसे आरोप शामिल थे। शिकायतों की संख्या और प्रकृति को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया।

सेवा, शिक्षा और संस्कार की मिसाल बना करतोरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर।अकबरपुर क्षेत्र के ग्राम करतोरा में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री दयाराम वर्मा जी की 106वीं जयंती केवल एक स्मृति कार्यक्रम नहीं, बल्कि आज के दौर को आईना दिखाने वाला आयोजन बनकर उभरी। देशभक्ति, सामाजिक समरसता और जनसेवा के संदेश के साथ यह कार्यक्रम हर्षोल्लास और गरिमा से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा भाजपा नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा ने प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि “स्व. दयाराम वर्मा का बलिदान हमें याद दिलाता है कि आज़ादी केवल तिरंगे तक सीमित नहीं, बल्कि सेवा और जिम्मेदारी से जुड़ी हुई है।”

विशिष्ट अतिथि डॉ. जे. के. वर्मा ने शिक्षा को स्वास्थ्य और विकास की रीढ़ बताते हुए कहा कि बिना शिक्षित समाज के स्वस्थ राष्ट्र की कल्पना अधूरी है। वहीं सपा नेता सुरेश कुमार वर्मा का कथन

“शिक्षा शेरनी का दूध है, जो जितना पिएगा उतना दहाड़ेगा”

सभा में गूंज उठा और युवाओं में जोश भर गया।

अध्यक्षीय संबोधन में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. राम उजागिर वर्मा ने तीखे शब्दों में कहा “आज देशभक्ति भाषणों में नहीं, बल्कि ईमानदार कर्म में दिखनी चाहिए। स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान तभी सार्थक है, जब समाज का अंतिम व्यक्ति मजबूत हो।”

106वीं जयंती पर स्व. दयाराम वर्मा की विरासत ने दिलाई आज़ादी की असली याद

कटेहरी विधायक और अधिकारियों ने किया अभियान का शुभारंभ

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अभियान की शुरुआत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद में सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर कदम उठाते हुए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अभियान का शुभारंभ बृहस्पतिवार को बसखारी मार्ग स्थित उपसंभा-गीय परिवहन कार्यालय से किया गया। अभियान का उद्घाटन कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, उप संभागीय परिवहन अधिकारी सतेंद्र यादव, एक्सईएन सौरभ सिंह और क्षेत्राधिकारी नितीश तिवारी ने जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार के आह्वान पर यह अभियान शुरू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों में यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। उन्होंने कहा कि जागरूकता के साथ नियमों का कड़ाई से पालन ही सड़क हादसों को रोक सकता है।

सूचना विभाग और परिवहन विभाग संयुक्त रूप से अभियान का प्रचार-प्रसार करेंगे।

जागरूकता वाहन जनपद में करेगा प्रचार-प्रसार

उप संभागीय परिवहन अधिकारी सतेंद्र यादव ने बताया कि अभियान के तहत जागरूकता वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जाएगा और आमजन को यातायात सुरक्षा, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व, गति सीमा का पालन और सड़क नियमों के पालन के प्रति प्रशिक्षित करेगा। पहले सप्ताह में वाहन के माध्यम से व्यापक जागरूकता कार्यक्रम संचालित होंगे। इसके पश्चात नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान में शिक्षा विभाग भी सहयोग देगा। स्कूलों में चित्रकला, भाषण और नाटक प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे युवाओं में नियमों के पालन की आदत विकसित होगी और भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

पुलिस और परिवहन विभाग करेंगे विशेष अभियान

जिला पुलिस और परिवहन विभाग संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाएंगे। इसके तहत वाहन चालकों और राहगीरों के व्यवहार, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, ओवर-स्पीडिंग और अन्य यातायात नियमों की जांच की जाएगी। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान केवल चेतावनी नहीं है बल्कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम है।

परम फाउंडेशन ने ईंट भट्ठा मजदूरों को बांटे कंबल

कटघर मूसा गांव में नववर्ष पर चला राहत और शिक्षा सहयोग अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नववर्ष के अवसर पर जिले की समाजसेवी संस्था परम फाउंडेशन ने जलालपुर तहसील क्षेत्र के कटघर मूसा गांव स्थित हीरा मार्का ईंट भट्ठे पर कार्यरत मजदूरों के लिए राहत कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान संस्था की ओर से ठंड से बचाव के लिए बड़ी संख्या में मजदूरों के बीच कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम में ईंट भट्ठे पर काम कर रहे परिवारों और स्थानीय लोगों की उपस्थिति रही।

कटघर मूसा गांव स्थित ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूर लंबे समय से खुले वातावरण में कार्य कर रहे हैं। ठंड के मौसम को देखते हुए परम फाउंडेशन ने मजदूरों को कंबल उपलब्ध कराए। कंबल वितरण के दौरान मजदूरों और उनके परिवारों ने राहत महसूस की। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि यह अभियान सर्द मौसम को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान परम फाउंडेशन ने एक और महत्वपूर्ण पहल की। संस्था ने ईंट भट्ठे पर काम कर रहे दो दर्जन से अधिक गरीब और वंचित बच्चों को गोद लेकर उनकी शिक्षा की जिम्मेदारी लेने की घोषणा की। संस्था के अनुसार इन बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी, ताकि वे नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त कर सकें। इस घोषणा के बाद मजदूर परिवारों में संतोष का माहौल देखा गया।

परम फाउंडेशन के अध्यक्ष धीरेंद्र पांडेय ने बताया कि सर्दी के मौसम में असहाय और जरूरतमंद वर्ग को सहायता पहुंचाना संस्था की प्राथमिक-ताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम समाज के उस वर्ग के लिए आयोजित किया गया है, जो कठिन परिस्थितियों में काम करता है। संस्था आगे भी जरूरत के अनुसार इस तरह के सेवा कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

अंबेडकरनगर पुलिस ने 125 गुमशुदा मोबाइल किए बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद अम्बेड-करनगर पुलिस को गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस कार्यालय में गठित मोबाइल रिकवरी सेल (सर्विलांस सेल) की टीम ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए कुल 125 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 25 लाख रुपये बताई जा रही है। सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक धारकों को वर्ष 2026 के पहले दिन एक जनवरी को सौंपे गए।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) हरेन्द्र कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) श्याम देव के पर्यवेक्षण में की गई। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से मोबाइल गुम होने की शिकायतें लगातार पुलिस को मिल रही थीं, जिसके बाद मोबाइल रिकवरी सेल को सक्रिय किया गया। मोबाइल रिकवरी सेल ने तकनीकी सर्विलांस और उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर लगातार प्रयास किए। टीम ने विभिन्न नेटवर्क और लोकेशन ट्रैकिंग के माध्यम से मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह मोबाइल अलग-अलग समय और स्थानों से गुम हुए थे, जिनकी शिकायतें जनपद के थानों में दर्ज थीं। बरामदगी के बाद पुलिस द्वारा सभी संबंधित मोबाइल धारकों को सूचना दी गई।

सर्विलांस सेल की कार्रवाई, नए वर्ष के पहले दिन सौंपे गए मोबाइल

समीक्षा : कलेक्ट्रेट में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, डीएम ने दिए कड़े निर्देश

सड़क सुरक्षा पर प्रशासन सख्त अवैध कट दोबारा खुले तो सीधे मुकदमा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें अवैध कट, क्षतिग्रस्त पुलियों और दुर्घटना संभावित स्थलों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा जनपद के प्रमुख मार्गों पर की गई कार्रवाई की जानकारी दी गई। अधिशासी अभियंता ने बताया कि अयोध्या–बसखारी मार्ग पर कुल 34 अवैध कट बंद कराए जा चुके हैं, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-233 पर 8 अवैध कटों को पूरी तरह समाप्त किया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि बंद किए गए अवैध कटों को किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा दोबारा खोला जाता है, तो संबंधित के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कराया जाए। इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध कट सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनते हैं। इन्हें दोबारा खोलने की कोशिश करने वालों को सीधे कानून के दायरे में लाया जाए। उन्होंने पुलिस और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि बंद किए गए कट दोबारा न खुलें। साथ ही संबंधित थाना स्तर पर भी निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त पुलियों की सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत और निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी या खतरे का सामना न करना पड़े।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉ-ट्स की पहचान कर वहां आवश्यक सुधारात्मक कार्य किए जाएं। सड़क किनारे अतिक्रमण, अव्यवस्थित कट और खराब सड़क संरचना पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

क्षतिग्रस्त पुलियों पर तत्काल सुरक्षा इंतजाम

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर अन्य अहम बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में जहां-जहां पुलियां क्षतिग्रस्त या जर्जर स्थिति में हैं, वहां तत्काल सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए रेलिंग, रिफ्लेक्टर, संकेतक बोर्ड और चेतावनी चिन्ह अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। आवश्यकता पड़ने पर अस्थायी बैरिकेडिंग की व्यवस्था भी की जाए।

ऑपरेशन क्लीन के तहत 55 लीटर अवैध शराब नष्ट

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद अम्बेडक-रनगर में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय से प्राप्त आदेश के अनुपालन में टाण्डा थाना क्षेत्र में आबकारी अधिनियम से जुड़े मामलों में बरामद की गई अवैध शराब को नष्ट कराया गया। यह कार्रवाई बुधवार को थाना टाण्डा परिसर में की गई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा 12 दिसंबर 2025 को जारी आदेश के अनुपालन में की गई। आदेश के तहत थाना टाण्डा में दर्ज आबकारी अधिनियम से संबंधित कुल नौ अभियोगों में बरामद अवैध शराब को नष्ट करने की अनुमति दी गई थी। इसके बाद नियमानुसार नष्टिकरण की प्रक्रिया पूरी की गई।

कार्रवाई के दौरान कुल 55 लीटर अवैध कच्ची शराब और देशी ठेका पाउच नष्ट किए गए। यह शराब अलग-अलग मामलों में जब्त की गई थी। पुलिस का कहना है कि सभी बरामद सामग्री को अभिलेखों के मिलान के बाद नष्ट कराया गया, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता न हो। जनपद में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ ऑपरेशन क्लीन लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि इस अभियान का उद्देश्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण करना और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना है।

टाण्डा थाना परिसर में न्यायालय के आदेश पर की गई कार्रवाई

सम्पादकीय

नया कालखंड, नए साल से नई उम्मीदें

नव वर्ष का आगमन अनेक अपेक्षाओं के साथ होता है। इस अवसर पर सभी शुभ की कामना करते हैं। हम भारत के लोग तो उस संस्कृति के वारिस हैं, जो प्राणिमात्र के कल्याण की बात करती है और समस्त वसुधा को एक कुटुंब की तरह देखती है, लेकिन सर्वत्र शुभ का संचार होने की चाह के बीच यह भी एक यथार्थ है कि व्यक्ति की तरह समाज और राष्ट्र के जीवन में चुनौतियां आती ही रहती हैं। वे इस वर्ष भी आएंगी। इससे अच्छा और कुछ नहीं कि इस नए वर्ष में हम उनका सही तरह सामना करने में समर्थ हों और तेजी के साथ प्रगति के उस पथ पर आगे बढ़ें, जिसमें सुख, समृद्धि के साथ समरसता भी बढ़े। यह तब संभव होगा, जब एक राष्ट्र के रूप में हमारी कार्यसंस्कृति बदलेगी और उन बुनियादी समस्याओं का समाधान होगा, जो प्रगति की राह में रोड़ा हैं।

वैसे तो किसी भी देश की कार्यसंस्कृति बदलने का दायित्व मुख्यतः शासन और प्रशासन में बैठे लोगों का होता है, लेकिन इस काम में जनता का सहयोग भी आवश्यक होता है। विश्व के कई देशों का इतिहास इसकी ही गवाही देता है कि उनका भाग्योदय तब हुआ, जब वहां के शासकों के साथ आम लोगों ने भी अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए समर्पण भाव से काम किया।

अब भारत सबसे अधिक जनसंख्या वाला राष्ट्र है। विशाल आबादी और भिन्न पंथ, भाषा वाले देश की प्रगति के लिए शासन-प्रशासन के साथ आम जनता का रुख-रवैया बदले बगैर बात बनने वाली नहीं है। यह समझा जाए कि जैसे शासक का धर्म होता है, वैसे ही नागरिक का भी। विभिन्न समस्याओं को लेकर शासन-प्रशासन के लोगों को उचित ही कठघरे में खड़ा किया जाता है, लेकिन यह प्रश्न प्रायः अनुत्तरित रहता है कि क्या हम भारत के लोग अपने नागरिक धर्म का निर्वाह सही तरह करते हैं?

हमें अपने अधिकारों के प्रति सजग होना ही चाहिए, लेकिन क्या हम अपने कर्तव्यों को लेकर भी सचेत रहते हैं? यदि हमारी अनेक समस्याओं का समाधान शासन-प्रशासन की ढिलाई के चलते नहीं हो पाता तो कई समस्याएं इसलिए जटिल बनी रहती हैं कि लोगों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाता। यदि जन सहयोग का यह अभाव दूर हो सके तो इस नए वर्ष में आत्मनिर्भर भारत की राह और आसान हो सकती है और यह किसी से छिपा नहीं कि आत्मनिर्भरता विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को पाने की कुंजी है।

2025 की विदाई के साथ ही देश उस नए कालखंड में प्रवेश कर रहा है, जब विकसित भारत का लक्ष्य और निकट आ गया है। यह लक्ष्य वास्तव में प्राप्त हो सके, इसके लिए मानसिकता में बदलाव लाना भी आवश्यक है। ऐसा करके ही हम अपनी कार्यसंस्कृति बदल सकेंगे और आने वाले कल की चुनौतियों से पार पा पाएंगे। हम सब मिलकर ऐसा कर सकें, इस आशा के साथ नव वर्ष की शुभकामनाएं।

हम एक महाशक्ति तो बन गए हैं पर वास्तव में

भारत 4.18 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले 2.5 से 3 वर्षों में जर्मनी को पछाड़कर तीसरी रैंक हासिल कर लेगा और 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। यह जानकारी सोमवार को एक आधिकारिक बयान में दी गई। चीन, जो दूसरे से पहले स्थान पर जाना चाहता है, और अद्वितीय संयुक्त राज्य अमेरिका, जो दशकों से नंबर एक पर स्थापित है। एक बार आगे निकलने के बाद ये तीन देश क्यों होते हैं? अनुमान है कि भारत 2030 तक जर्मनी को भी पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा. मजबूत घरेलू खपत और कड़े संरचनात्मक सुधारों के दम पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है.वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी 8.2 प्रतिशत बढ़ी, जो पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के 7.4 प्रतिशत से अधिक है. यह छह तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है, जो वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बावजूद दर्ज की गई.सरकार ने भरोसा जताया है कि मजबूत आर्थिक नींव के साथ, भारत की जीडीपी 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी. वर्तमान में अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसके बाद चीन दूसरे स्थान पर है. वहीं तीसरे पर जर्मनी है. हम एक महाशक्ति तो बन गए हैं पर वास्तव में, जर्मनी हमारे महाराष्ट्र के बराबर भी नहीं है। अकेले महाराष्ट्र को जनसंख्या और आकार दोनों मोर्चों पर इसे पार करना चाहिए।

अशोक भाटिया

क्या अयातुल्लाह खुमैनी सरकार ईरान में सुलग रही जेन जेड क्रांति से कुछ सबक लेगी या शहादत देगी ?

> समझा जाता है कि जब कोई राजनेता देश के प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग और मानवीय संसाधनों का दुरुपयोग अपने धार्मिक महत्वाकांक्षाओं, उसके भौगोलिक विस्तार और राजनीतिक अवसरवादिता के दृष्टिगत करने लगता है तो वह भीतर ही भीतर खोखला होता जाता है।

शिया मुस्लिम बहुल देश ईरान में 'तानाशाह तेरी कब्र खुदेगी' और 'मुल्लाओं को देश छोड़ना होगा' जैसे नारे लगना हैरत की बात है, क्योंकि कोई सच्चा मुसलमान अयातुल्लाह खुमैनी जैसे मुल्ला शासकों और उनके वतन परस्त हमकदम मुल्लाओं का विरोध क्यों करेगा? खासकर उस अयातुल्लाह खुमैनी का जो पूरी दुनिया में इस्लामिक बादशाहत स्थापित करने का स्वप्नद्रष्टा समझे जाते हैं।

बावजूद इसके हाल के ईरान मुल्ला विरोधी आंदोलन में ये नारे आम हो चुके हैं। इसलिए सवाल है कि क्या अयातुल्लाह खुमैनी सरकार ईरान में सुलग रही जेन जेड क्रांति से कुछ सबक लेगी या अपनी शहादत देगी?

बताया जाता है कि यह सरकार विरोधी जन-आंदोलन मुख्य रूप से वहां के आर्थिक संकट से उपजे हैं जहां रियाल की कीमत में भारी गिरावट के बाद लोगों का जीना दुश्वार हो चुका है। वहां से मिली खबरों से पता चलता है कि ईरान में चढ़ी 42% से अधिक की महंगाई ने आम जनता को सड़कों पर उतार दिया है। जानकारों का कहना है कि ये जन-प्रदर्शन तेहरान के ग्रैंड बाजार से शुरू होकर मशहद, इस्फहान जैसे शहरों में फैल गए हैं, और लोग 'मुल्लाओं को देश छोड़ना होगा' और 'तानाशाह तेरी कब्र खुदेगी' जैसे आपत्तिजनक नारे लगा रहे हैं। यह वहां की अयातुल्लाह खुमैनी सरकार के लिए चिंता की बात है।

अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विशेषज्ञ बताते हैं कि ईरान की मौजूदा आर्थिक बदहाली के पीछे उस पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध मुख्य वजहें हैं, जो उसके मुख्य उत्पाद तेल निर्यात को प्रभावित कर रहे हैं। यही वजह है कि साल 2022-23 के महसा अमीनी आंदोलन के बाद शुरू हुआ हालिया आंदोलन विगत तीन सालों के बाद प्रारम्भ हुआ सबसे बड़े प्रदर्शन हैं जहां भ्रष्टाचार, धार्मिक कट्टरता और सालों की नाकामियों से तंग जनता पुनः सड़क पर चुकी है।

वहीं, वैश्विक कूटनीतिक जानकारों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'मैक्सिमम प्रेशर पॉलिसी' ने ईरान पर लगे प्रतिबंधों को और सख्त किया है जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था चरमरा गई। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने इसे शासन की आंतरिक कमजोरियों को उजागर करने वाला बताया है, हालांकि प्रत्यक्ष विदेशी हस्तक्षेप का कोई स्पष्ट प्रमाण अब तक नहीं मिला है। उधर, इजरायल और अमेरिका के परमाणु ठिकानों पर हमलों ने भी ईरान पर नैतिक दबाव बढ़ाया है। इजरायल जिस तरह से ईरान के सैन्य रणनीतिकारों को ढेर कर देता है, उससे भी सरकार की प्रतिरक्षात्मक कमजोरी जगजाहिर है।

फिर भी ईरान के हालिया मुल्ला विरोधी प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगें आर्थिक संकट से निजात और सत्ता परिवर्तन से जुड़ी हैं। आंदोलनकारियों ये मांगें तेहरान के ग्रैंड बाजार से शुरू हुए आंदोलन में स्पष्ट रूप से सामने आई हैं। उनकी मुख्य मांगें निम्नलिखित हैं- पहला, प्रदर्शनकारी ₹मुल्लाओं को देश छोड़ना होगा₹ और ₹तानाशाह की कब्र खुदेगी₹ जैसे नारों से सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई और धार्मिक शासन के खिलाफ खुला विद्रोह जता रहे हैं। दूसरा, वे रियाल की गिरावट, 42% महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त होकर आर्थिक सुधार तथा भ्रष्टाचार मुक्त शासन की मांग कर रहे हैं। तीसरा, उनकी अतिरिक्त अपेक्षाएं हैं कि जनता इजरायल-अमेरिका के दबाव के बीच परमाणु नीति पर पुनर्विचार करे और महिलाओं पर हिजाब जैसे धार्मिक प्रतिबंधों को समाप्त करने का कार्य करे। यह उनकी सामूहिक अपील है।

हालांकि, अनुभव बताता है जिस तरह से धर्म के आधार पर राष्ट्रपति खुमैनी लोगों को नियंत्रित करने की भूल कर रहे हैं, उसके मद्देनजर यह होना स्वाभाविक है। ऐसा इसलिए कि कोई भी धर्म पारलौकिक समस्याओं का समाधान तो देता है लेकिन इहलौकिक समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को शिक्षा और विकास जैसे सुशासन की जरूरत होती है।

ऐसा इसलिए कि विरोधी बढ़ जाते हैं जिन्हें काबू में करने के लिए युद्ध क्षमता में बढ़ोतरी करनी पड़ती है। इसमें खर्च बढ़ने से जनता की सहूलियत में कटौती करनी पड़ती है। इससे महंगाई बढ़ती है और महंगाई बढ़ने से लोगों को भी त्याग करने में कष्ट पहुंचता है। इससे सत्ता विरोधी आक्रोश पनपता है, जिसे विदेशी शक्तियां तूल देती हैं। फिलहाल ईरान, अमेरिका-इजरायल और इनके समर्थक मुस्लिम देशों के षड्यंत्र का सहज शिकार होने के कगार पर पहुंच चुका है। दिलचस्प तो यह है कि जेन जेड पीढ़ी के नेतृत्व में शुरू हुए ये जन-प्रदर्शन 2022 के महसा अमीनी आंदोलन की याद दिलाते हैं। इससे स्पष्ट है कि श्रीलंका, बंगलादेश, नेपाल के बाद अब ईरान का नेतृत्व भी तथाकथित जेन जेड क्रांति का सहज शिकार होने वाला है। इससे साफ है कि इक्कीसवीं सदी में वैश्विक पटल पर अमेरिकी वर्चस्व को बनाए रखने के लिए डीप स्टेट प्रोत्साहित जो कथित 'जेन जेड क्रांति' हो रही है, वह विभिन्न एशियाई देशों को अमेरिकी रणनीति के समक्ष घुटने टेकने या अंजाम भुगतने की स्पष्ट नसीहत है।

बता दें कि जेन जेड यानी साल 1997-2012 के बीच जन्मे बच्चे अब सोशल मीडिया के जरिए जलवायु परिवर्तन, तानाशाही और अन्याय के खिलाफ सक्रिय हैं, जैसा कि मिस्र की जैस्मीन क्रांति या ईरान के पुराने हिजाब आंदोलनों में दिखा। अब तक कम से कम 8 देशों में ऐसे युवा आंदोलन दर्ज हैं। खासकर साल 2025 में नेपाल, इंडोनेशिया, पेरू और हाल ही में ईरान में भी जेन जेड के बड़े प्रदर्शन देखे गए हैं। इससे पहले अगस्त 2024 में बंगलादेश में भी इनके सफल प्रदर्शन हो चुके हैं और वहां भी शेख हसीना सरकार की बलि चढ़ाई जा चुकी है। घटनाक्रम बताते हैं कि साल 2025 में इनका आंदोलन इंडोनेशिया से शुरुआत होकर पेरू की राजधानी लीमा में राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ते के खिलाफ 27 सितंबर को प्रदर्शन हुए। ईरान में दिसंबर 2025 तक तेहरान समेत कई शहरों में जेन जेड ने सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के खिलाफ विद्रोह किया। वहीं, नेपाल में 8 सितंबर 2025 को शुरू हुए प्रदर्शनों ने संसद और सरकारी भवनों पर हमले किए, जिसमें 19 लोगों की मौत हुई। यहां भी युवाओं ने सोशल मीडिया बैन हटवाया और नया संविधान की मांग की। नेपाल में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ शुरू हुई जेन जेड क्रांति के बाद ही वहां के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया।

कमलेश पांडेय

गंगा, यमुना, हिंडन, काली...

डा.वेदप्रकाश

पर्यावरणीय घटकों को बचाने का संकल्प लें

वर्ष 2026 नव संकल्पों से आरंभ होना चाहिए। वैसे तो जब भी व्यक्ति कुछ सकारात्मक और नया करने की ओर बढ़ जाए, वहीं से नया वर्ष या नए का आरंभ हो जाता है। यदि हमारा जीवन ही खतरे में है तो फिर कैसा उल्लास? कैसा नववर्ष? अंग्रेजी नववर्ष के आरंभ में क्या आज से ही हम पर्यावरणीय घटकों को बचाने का संकल्प ले सकते हैं? क्या आज ही एक पौधा लगाकर हम इस दिशा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं? हमारा यह छोटा सा संकल्प बड़े परिवर्तन का कारण बन सकता है। प्रकृति-पर्यावरण भयंकर प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। सांस लेना कठिन है, फिर ऐसे में उल्लास के साथ चिंतन करते हुए संकल्प की ओर बढ़ना ही उचित है।

जल, वायु , नदियां, समुद्र, धरती, पहाड़, जंगल, ग्लेशियर, विभिन्न जीव जंतु और वनस्पतियां आदि पर्यावरणीय घटक हैं। ये विभिन्न घटक आज गंभीर प्रदूषण की गिरफ्त में है अथवा अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं। परिणामस्वरूप इन घटकों का विकृत होना अथवा असंतुलित होना मानव सहित समूची जीव सृष्टि के लिए खतरा बनता जा रहा है। अब यह खतरा प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। विगत लंबे समय से दिल्ली एनसीआर की हवा गंभीर और बेहद गंभीर श्रेणी में चल रही है। घरों से निकलना मुश्किल है। इससे शारीरिक- मानसिक स्वास्थ्य,

शिक्षा और आर्थिकी पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। यूके स्थित भारतवंशी डाक्टरों ने वायु प्रदूषण को कोरोना महामारी के बाद सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बताया है। दिल्ली एनसीआर में सांस की बीमारियों से जूझ रहे लोगों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक आयु वर्ग के लोग सिर दर्द,थकान, ह्दय रोग, खांसी, बुखार, गले में जलन, आंखों में जलन और सूखापन, त्वचा के रोग व बार-बार संक्रमण जैसी परेशानियों से जूझ रहे हैं। प्रदूषण की अधिकता ने हवा को जहरीला बना दिया है। वाहनों, उद्योगों और विद्युत संयंत्रों की धुल, धुआं व घातक रसायन जीवन पर भारी पड़ रहे हैं। सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर की नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश के करीब 78 प्रतिशत ताप बिजली संयंत्रों में सल्फर डाइआक्साइड को नियंत्रित करने की प्रणाली नहीं है और प्रदूषण फैलाने में ताप बिजली संयंत्रों की बड़ी जिम्मेदारी है। क्या इन्हें मानकों के अनुरूप संचालित करना शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है?

गंगा, यमुना, हिंडन, काली आदि सैकड़ों नदियां भयंकर प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। महानगरों का अशोधित सीवेज और औद्योगिक कचरा सीधे नदियों में गिर रहा है। विडंबना यह भी है कि विभिन्न प्रदेशों में सीवेज शोधन हेतु एसटीपी पर्याप्त संख्या में नहीं हैं। जितने हैं वे भी समुचित रूप में काम नहीं कर रहे हैं। शासन- प्रशासन की सुस्ती से यह स्थिति और भी चिंताजनक बनती जा रही है। दिसंबर 2024 की एक रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ है कि अकेले उत्तर प्रदेश में गंगा व सहायक नदियों में 225 नाले सीधे मिल रहे हैं और लगभग 1100 मिलियन लीटर सीवेज प्रतिदिन सीधे नदियों में गिर रहा है। बंगाल के 27 शहरों में कुल 41 एसटीपी हैं जिनमें से अधिकांश मानकों के अनुरूप काम नहीं कर रहे हैं। पूरे बिहार में केवल 20 एसटीपी के सहारे ही काम चल रहा है। दिल्ली में भी 37 एसटीपी हैं जिनमें से लगभग 16 ही क्षमता के अनुरूप काम कर रहे हैं। दिल्ली सहित देश के विभिन्न महानगरों में छोटे बड़े सैकड़ों नाले सीधे नदियों में गिर रहे हैं। पूरे देश में औद्योगिक अपशिष्ट शोधन प्रणालियों की हालत तो और भी गंभीर है। ध्यान रहे ये सभी नदियां भिन्न-भिन्न रूपों में जीवनदायिनी हैं। क्या पूरे देश में नदियों की बदहाली गंभीर चिंतन का विषय नहीं हैं? वन क्षेत्र धरती के फेफड़े कहे जाते हैं। लेकिन पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से भी हम अनभिज्ञ नहीं हैं। प्रत्येक वर्ष करोड़ों पेड़ लगाए जाते हैं लेकिन उनके संरक्षण- संवर्धन की समुचित योजनाएं नहीं हैं। हाल ही में राज्यों द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी गई एक रिपोर्ट में यह सामने आया है कि देश के 25 राज्यों में 13 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र पर अतिक्रमण है। 10 राज्य ऐसे हैं जिन्होंने वन क्षेत्र पर अतिक्रमण के बारे में जानकारी नहीं दी है। क्या यह स्थिति गंभीर नहीं है?

ताजा अध्ययनों से यह भी सामने आ रहा है कि जल के महत्वपूर्ण स्रोत ग्लेशियर भी प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। उत्तराखंड के चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ आदि क्षेत्रों में विभिन्न ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और ग्लेशियर झीलें संवेदनशील बनी हुई हैं। जिससे बड़ी आपदा आ रही हैं। केदार आपदा और हाल ही में धराली-भराली की आपदाएं इसके प्रमाण हैं।

गंभीर ...

कस्तूरी दिनेश

ठंड है भई ठंड है !

ठंड का मौसम आंदोलनों के लिए बड़ा मुफीद है । संसद विधान सभा में बैठे रहो,कक्ष कितना भी गर्म रहे ठंड तो लगती ही है । सत्ता-पक्ष के भाषण के दौरान कितनी देर तक हंगामा कर लो, उछल-कूद मचाते हुए चीख-चीखकर विरोध में नारा लगा लो, ठंड की कंपकपी है कि जाती नहीं ! ऐसे समय में अपनी पार्टी के सदस्यों का कष्ट देख,विपक्ष के सयाने सदस्य की बुद्धि में शातिर लोमड़ी घुस जाती है और वे चालाकी से सत्ता-पक्ष के भाषण का विरोध करते हुए सदन से सामूहिक बहिर्गमन की घोषणा कर देते हैं ।

बाहर खुली प्रकृति के बीच बढ़िया हाथ-पाँव को सेंकती गर्म-गर्म गुनगुनी धूप है । नीचे जमीन में नर्म-नर्म घास है और सामने है आनन्द भाव से धूप का आनन्द लेती बापू की प्रतिमा ! सब एक राय होते हैं और गांधी जी के चरणों के निकट पहुंचकर सता-पक्ष के पास हुए बिल का हाथ उठा-उठकर विरोध करते हुए नारे का बम फोड़ने लगते हैं ।"तानाशाही नही चलेगी...नहीं चलेगी !" "फलां बिल वापस लो,वापस लो...!" "ढेकां बिल,हाय ...हाय,हाय,हाय... !" घंटे आधे घंटे के हो-हल्ला और उछल-कूद के बाद ठंड एकदम गायब हो जाती है । च्यवनप्राशीय स्फूर्ति महसूस होती है ! पार्टी के गठिया पीड़ित वयोवृद्ध आत्मिक राहत महसूस करने लगते हैं ! सब गांधी जी की मूर्ति के नीचे बैठ जाते हैं । विचार-विमर्श शुरू होता है । आज के लोकतंत्र की तो रस्म निभाई हो गई । संसद की हाजिरी का भत्ता भी पक गया ! अब कल किस बात पर सत्ता-पक्ष का विरोध करना है, तय हो जाए ! संसद कक्ष में रोज वोट चोर,वोट-चोर की वही रटी-रटाई रेंक लगाते इस कड़कड़ाती ठंड में बोरियत हो जाती है ! माईंड-फ्रेश करने और ठंड को मारने के लिए आगे विरोध और हंगामे का क्या मुद्दा होगा ? सत्ता-पक्ष के किस बात का विरोध करते हुए मुखिया प्रतिपक्ष इशारा करेगा और हम सब प्रतिपक्षी फिर बहिर्गमन करके बाहर खिली-खिली,गर्म-गर्म तन सेकती,गुदगुदाती धूप में बाहर गांधी जी से आशीर्वाद लेंगे ?

गंभीर बहस चलती है और सबकी राय अलग-अलग है लेकिन नेता प्रतिपक्ष यानी हाईकमान का निर्णय अंतिम रूप से मान्य हो जाता है । प्रजातंत्र में हाईकमान की वाणी ईश्वर की वाणी की तरह अमोघ और अकाट्य है ! अगले दिन सत्ता-पक्ष के जवाब के समय संसद में फिर वही रावण-अंगद संवाद,हो-हल्ला,हंगामा ! सभापति के आसन के पास जाकर पास हुए बिल की प्रति फाड़कर लहराने तथा फेंकने का परम वीरता भरा कृत्य ! वही बहिर्गमन...! चश्में के अंदर से आँखों ही आँखों में मुस्कुराती गांधी प्रतिमा के चरणों में आकर तन को सेकती, गुनगुनी धूप का वही आनन्द और संसद के अंदर अगले दिन की योजना पर फिर विचार–विमर्श !

बस ऐसे ही, हर बार की तरह प्रजातंत्र-देवता की शीतकालीन, ग्रीष्मकालीन, वर्षाकालीन पूजा-अर्चना; सभापति-पुरोहित के शंखनाद के साथ समाप्त...! मिमियाती-रिरियाती प्रजा चुप रहे...!

जरा हटके

1980 के दशक...

रामस्वरूप रावतसरे

क्या बांग्लादेश में 'बैटल ऑफ बेगम्स' का दौर खत्म हो गया है?

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया का 30 दिसंबर 2025 सुबह निधन हो गया। वे 80 वर्ष की थीं। लंबी बीमारी से जूझ रही खालिदा जिया ढाका के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती थीं, जहाँ उन्होंने अंतिम सांस ली। खालिदा जिया की मौत से बांग्लादेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण अध्याय का अंत हो गया है। वे दशकों तक देश की सियासत की धुरी रहीं और अपनी कट्टर प्रतिद्वंद्वी शेख हसीना के साथ उनकी दुश्मनी ने पूरे देश को प्रभावित किया।

खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1945 को ब्रिटिश भारत के बंगाल प्रेसिडेंसी के जलपाईगुड़ी जिले में हुआ था, जो आज पश्चिम बंगाल का हिस्सा है। उनका बचपन का नाम खालिदा खानम 'पुतुल' था। उनका परिवार एक साधारण व्यापारी परिवार से था। 1947 में भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद उनका परिवार पूर्वी बंगाल (आज का बांग्लादेश) के दिनाजपुर जिले में आकर बस गया। खालिदा जिया ने दिनाजपुर की मिशनरी स्कूल और गर्ल्स स्कूल में पढ़ाई की। वे खुद को 'सेल्फ-एजुकेटेड' बताती थीं और हाई स्कूल की डिग्री के कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं हैं।

साल 1960 में मात्र 15 साल की उम्र में खालिदा की शादी पाकिस्तानी आर्मी के कैप्टन जियाउर रहमान से हो गई। जियाउर रहमान बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई के प्रमुख नायक थे। उन्होंने 1971 के मुक्ति संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बाद में बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने। शादी के बाद खालिदा जिया एक साधारण गृहिणी बनकर रह गईं। वे दो बेटों तारेक रहमान और आरफ रहमान की परवरिश में व्यस्त रहीं। उस समय उन्हें एक शर्मीली और घरेलू महिला के रूप में जाना जाता था जो राजनीति से दूर रहती थीं। जियाउर रहमान ने 1978 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्थापना की। वे 1977 से राष्ट्रपति थे और देश को सैन्य शासन से लोकतंत्र की ओर ले जा रहे थे। लेकिन 30 मई 1981 को चटगाँव में एक असफल सैन्य तख्तापलट में जियाउर रहमान की हत्या कर दी गई। इस घटना ने खालिदा जिया की जिंदगी बदल दी। शौहर की मौत के बाद बीएनपी संकट में पड़ गई। कई नेता पार्टी छोड़कर चले गए। ऐसे में खालिदा जिया ने 1982 में पार्टी की सदस्यता ली और 1984 में बीएनपी की चेयरपर्सन बन गईं। एक गृहिणी से राजनीतिक नेता बनने की उनकी यात्रा प्रेरणादायक थी। 1980 के दशक में बांग्लादेश पर जनरल हुसैन मुहम्मद इरशाद का सैन्य शासन था। खालिदा जिया ने इरशाद के खिलाफ लोकतंत्र बहाली की लड़ाई का नेतृत्व किया। वे सात दलों के गठबंधन की प्रमुख बनीं और हड़तालों, प्रदर्शनों के जरिए सैन्य तानाशाही का विरोध किया। इस दौरान उन्हें कई बार गिरफ्तार किया गया और घर में नजरबंद रखा गया लेकिन वे डटी रहीं। 1990 में जन आंदोलन के दबाव से इरशाद को सत्ता छोड़नी पड़ी। लोकतंत्र की बहाली के लिए हुई लंबी लड़ाई में शेख हसीना ने भी मोर्चा थामे रखा। ये वही समय था, जब बांग्लादेश के लिए दोनों बेगमों ने एक पक्ष की तरफ से लड़ाई लड़ी, हालाँकि राजनीतिक वजहों से दोनों हमेशा अलग-अलग खेमों की अगुवाई करती रही। साल 1991 में बांग्लादेश में पहली बार स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए। बीएनपी ने भारी जीत हासिल की और खालिदा जिया देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। उनके पहले कार्यकाल (1991-1996) में कई महत्वपूर्ण सुधार हुए। उन्होंने संसदीय व्यवस्था बहाल की, विदेशी निवेश को बढ़ावा दिया, प्राथमिक शिक्षा को मुफ्त और अनिवार्य बनाया। लड़कियों की शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया। अर्थव्यवस्था में सुधार आए और बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत हुआ।

साल 1996 में वे चुनाव हार गईं और शेख हसीना की अवामी लीग सत्ता में आई लेकिन 2001 में बीएनपी की वापसी हुई और खालिदा जिया दूसरी बार प्रधानमंत्री बनीं। इस कार्यकाल में भी कई उपलब्धियाँ रहीं, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोप और इस्लामी कट्टरपंथी और आतंकवादियों के उभार ने उनकी सरकार को विवादास्पद बना दिया।

नव वर्ष

नव वर्ष में सदैव हमारा जीवन हो सबसे न्यारा ।(अ)
नव वर्ष में हमारा जीवन बने कर्मों से हल्का ।
महावीर प्रभु को नित शीश नमा हों जायें हल्का ।
प्रज्ञा के दीप जला मन का आँगन हम महकाएं ।
फैले क्षण - क्षण में मोहक तान को हम पाएं ।
नव वर्ष में सदैव हमारा जीवन हो सबसे न्यारा । (अ)
जीवन के मधुर क्षणों में, मन का संकल्प हम सजाएं ।
कर्मों को क्षय करने का सही क्रम हम अपनाए ।
पल - पल समय की गति को हम पहचाने ।
जीवन के संग्राम में कभी न हम हार माने ।
नव वर्ष में सदैव हमारा जीवन हो सबसे न्यारा । (अ)
नव वर्ष में हम अपने पुरुषार्थ से तोड़े कर्मों की कारा ।
अपने पुरुषार्थ के सामर्थ्य से मोड़े जीवन की धारा ।
आत्मा की ज्योति जला मन में बहाए अमृत की धारा ।
मन का सौन्दर्य बढ़ाकर मोक्ष का हो लक्ष्य सारा ।
नव वर्ष में सदैव हमारा जीवन हो सबसे न्यारा । (अ)
शुभ संकल्पों को जगाकर डर भय सब दूर भगायें ।
आत्मा का अनुभव कर वितरागता को हम पायें ।
आत्मा का है रंग निराला चहुँ और ऊर्जा हम पायें ।
धर्म ध्यान के द्वारा छलकें अमृत प्यालें को हम पायें ।
नव वर्ष में सदैव हमारा जीवन हो सबसे न्यारा । (अ)

प्रदीप छाजेड़

दोस्त के साथ गया था बाजार, हमलावरों ने घरों से लौटते समय पीछे से किया हमला

लाठी-डंडे से पीटकर युवक की हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

आजमगढ़ । आजमगढ़ में दोस्त के साथ घर लौट रहे युवक की लाठी-डंडे से पीट कर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने बाइक सवार युवकों पर पीछे से हमला किया। जिसके बाद दोस्त बाइक को तेजी से भगाने लगा। इस दौरान पीछे बैठा दोस्त नीचे गिर गया। हमलावर उसे लाठी-डंडो से पीटने लगे। ये देखते ही बाइक चला रहा युवक घर से परिजनों को लेने के लिए भागा।

परिजनों के वापस आने पर युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई थी। अस्पताल लेने जाने पर युवक ने दम तोड़ दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में छानबीन की जा रही है। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में गांव के लोगों ने गुरुवार सुबह सड़क जाम करके प्रदर्शन किया। 12 घंटे के अंदर अपराधियों को पकड़ने की मांग की।

फॉरेंसिक टीम डॉग स्क्वायड और सर्विलांस टीम को इस पूरी घटना के खुलासे के लिए लगा दिया गया है। मामला मेंहनाजपुर थाना क्षेत्र के दरियापुर नेवादा के ईटैंली बाजार का देर रात का है।

अखिलेश सोनकर, मृतक

बाजार से लौटते समय पीछे से किया गया हमला

मेंहनाजपुर का रहने वाला अखिलेश सोनकर(24) ईटैंली बाजार में फास्ट फूड की दुकान चलाता था। बुधवार वह अपने दोस्त संदीप के साथ बाजार गया था। देर रात बाजार से घर वापस लौटते समय हमलावरों ने पीछे से लाठियों से हमला किया गया। जब पीछे से आरोपियों ने अखिलेश सोनकर के सिर पर प्रहार किया तो अखिलेश ने अपने साथी संदीप को बाइक और तेज भागने के लिए कहा।

> **पुलिस ने बताया- 8 महीने पहले उधारी को लेकर मृतक अखिलेश का तीन लड़कों से झगड़ा हुआ था। सभी जौनपुर के रहने वाले थे। इस मामले में मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।**

कार्रवाई की मांग को लेकर आजमगढ़ SSP आफिस पहुंचे परिजन।

तीन घंटे तक रही सड़क जाम

अखिलेश की हत्या से आक्रोशित परिजनों और गांव के लोगों ने सुबह 6:00 बजे से 9:00 बजे तक लगभग 3 घंटे तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने 12 घंटे के अंदर घटना में शामिल अपराधियों को पकड़ने की मांग की है। मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारियों ने परिजनों को समझा बूझाकर जाम खाली कराया।

बिजनौर में सड़क सुरक्षा माह अभियान शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। जनपद बिजनौर में 1 जनवरी को डीएम जसजीत कौर ने 'सड़क सुरक्षा माह' का शुभारंभ किया। यह अभियान 1 जनवरी से 31 जनवरी, 2026 तक चलेगा। इस दौरान जन जागरूकता के लिए एक प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और सड़क सुरक्षा की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने परिवहन, पुलिस,चिकित्सा और शिक्षा विभागों के सदस्यों, निर्माण एजेंसियों, ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रतिनिधियों और आम जनता को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। प्रचार वाहन पूरे महीने जनपद के मुख्य क्षेत्रों में भ्रमण कर सड़क सुरक्षा का प्रचार-प्रसार करेगा।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने बताया कि जागरूकता के लिए पोस्टर, स्टीकर, हैंडबिल और पम्पलेट वितरित किए गए। जनपद के मुख्य चौराहों और

■ डीएम जसजीत कौर ने प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

स्थानों पर फ्लेक्स बोर्ड भी लगाए गए हैं। विभिन्न वाहन डीलरों ने पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लिया। इस अवसर पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गौरी शंकर ठाकुर, संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक), बिजनौर, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, बिजनौर डिपो अशोक कुमार और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, धामपुर डिपो, यातायात पुलिस निरीक्षक रवि नैन सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

पेड़ से लटका मिला युवती का शव

फतेहपुर, बाराबंकी । बाराबंकी जिले के करीमपुर गांव में एक 20 वर्षीय युवती का शव आम के बाग में पेड़ से लटका मिला। युवती की पहचान रेखादेवी के रूप में हुई है, जो सिया राम की बेटी थी। परिजनों ने हत्या और दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी है। सिया राम निवासी ग्वाठ करीमपुर सधारे बजगहनी भाना घुघटेर ने बताया कि उनकी बेटी रेखादेवी (उम्र लगभग 20 वर्ष) बीती रात घर से गायब हो गई थी।

सरकारी स्कूल में बच्चियों को बैड-टच करने वाला टीचर अरेस्ट

गोरखपुर । गोरखपुर में सरकारी टीचर को नन्ही बच्चियों के साथ बैड टच के आरोप में अरेस्ट किया गया है। 56 साल का स्कूल टीचर चौथी-पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्राओं को अश्लील वीडियो और फोटो दिखाता था। फिर उनके साथ गंदी हरकत करता था।

पीड़ित बच्चियों ने बताया- टीचर होमवर्क देने के बहाने बुलाता था। उनके साथ गंदा काम करता था। मना करने पर मारता-पीटता और धमकी देता था कि किसी को बताया तो और मारेंगे। हिम्मत कर के बच्चियों ने अपने माता-पिता को पूरी बात बताई।

माघ मेले में प्रयाग स्टेशन पर 22 ट्रेनों का ठहराव

प्रयागराज । माघ मेला 2026 को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयाग स्टेशन पर 22 प्रमुख ट्रेनों का अतिरिक्त 2 मिनट का ठहराव का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था 1 जनवरी से 20 फरवरी तक लागू रहेगी। रेल प्रशासन की इस पहल से इंदौर, बांद्रा टर्मिनल, चेन्नै सेंट्रल, लोकमान्य तिलक टर्मिनस जैसी दूरदराज जगहों से आने वाली ट्रेनें प्रभावित होंगी।

बिजनौर में हरे भरे पेड़ कटान के विरोध में वन विभाग को सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। मध्य गंगा नहर कॉलोनी परिसर में कार्यालय भवन निर्माण के लिए हरे-भरे पेड़ों के कटान का विरोध तेज हो गया है। कर्मचारियों ने इसके विरोध में वन विभाग और पूर्वी गंगा नहर निर्माण मंडल, बिजनौर के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपा। वन विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के दौरान कर्मचारी पेड़ों के काटने की तैयारी देख रो पड़े।

प्रार्थना पत्र में कहा कि मध्य गंगा नहर कॉलोनी के परिसर में पूर्वी गंगा नहर निर्माण खंड-चार, बिजनौर के कार्यालय भवन के निर्माण का प्रस्ताव है। जिस स्थान पर निर्माण प्रस्तावित है, वहां बड़ी संख्या में

■ पेड़ों के काटने की तैयारी देख रो पड़े परवरिश करने वाले कर्मचारी

आम, बरगद, सागौन, अशोक, गुलमोहर, अमलतास, पीपल व बकैन आदि हरे-भरे पेड़ मौजूद हैं। इन पेड़ों के कटान से पर्यावरण को भारी नुकसान होगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम का भी हवाला दिया। कर्मचारियों ने कहा कि पहले से चयनित निशानदेही स्थल पर ही कार्यालय भवन का निर्माण कराया जाए। ताकि, हरे-भरे पेड़ों की सुरक्षा हो सके। इस मौके पर बह्मपाल सिंह, वीरेंद्र पाल सिंह, तुषार, मंजू रानी, संगीता, पान सिंह, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद बोले- सपा की लोकप्रियता से बौखला गई है सरकार

माघ मेले में नहीं लगेगी मुलायम सिंह की मूर्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने गुरुवार को माघ मेले में श्रद्धेय मुलायम सिंह स्मृति सेवा संस्थान द्वारा लगाए गए शिविर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि कोई विवाद न हो, इसके लिए शिविर में पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की मूर्ति न लगाने का निर्णय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लिया है। नेता प्रतिपक्ष प्रदेश सरकार पर हमलावर रहे और कहा कि वह राजनीतिक विद्वेष से काम रही है। बीजेपी सरकार समाजवादी पार्टी की लोकप्रियता से डरी हुई है। इसलिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है। सेक्टर 6 में श्रद्धेय मुलायम सिंह सेवा स्मृति संस्थान के शिविर का उद्घाटन करने के बाद नेता प्रतिपक्ष ने कहा- यह शिविर सामाजिक सद्भाव केंद्र, समाज में आपसी भाईचारा बढ़ाने और कमजोर व जरूरतमंद लोगों को आश्रय देने के उद्देश्य से खोला गया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसे बनाने वाले संदीप यादव को सरकार ने गुंडा घोषित कर दिया, जबकि प्रयागराज में बड़े-बड़े अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं और सरकार की नजर उन पर नहीं पड़ रही।

माघ मेले की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा- 3 जनवरी से मेला शुरू होने वाला है, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं न के बराबर हैं। सरकार केवल दावे कर रही है, डींगें हांक रही है। कुंभ भगदड़ में मौतों की आज तक न तो सही संख्या बताई गई और न ही सूची जारी की गई।

सत्ता के बल पर कमजोरों को परेशान करने का आरोप

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मौजूदा सरकार सत्ता के बल पर कमजोर लोगों को परेशान कर रही है। समाजवादी विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ताओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है और उनके खिलाफ गुंडा एक्ट व अन्य कठोर कानूनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

शिविर में स्थापित की गई राधा-कृष्ण की प्रतिमा

इसी के चलते इस शिविर के संस्थापक सपा नेता संदीप यादव के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लिखकर उसके खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बीजेपी सरकार समाजवादी पार्टी की लोकप्रियता से डरी हुई है। इसलिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है। हालांकि गुंडा एक्ट की कार्रवाई के बाद सपा नेता संदीप यादव अंडर ग्राउंड हैं। संदीप यादव कहा है इस बारे में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

> **नेता प्रतिपक्ष ने कहा- संदीप यादव पर लगाए गए सभी मुकदमे राजनीतिक हैं। केवल राजनीतिक मुकदमों के आधार पर किसी को गुंडा नहीं कहा जा सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपने अधिकारों के लिए लड़ने वाला व्यक्ति अपराधी नहीं होता।**

मूर्ति विवाद पर स्पष्ट रुख

शिविर के राजनीतिक इस्तेमाल के आरोपों पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा, यदि संतों के शिविरों में प्रधानमंत्री, बाबाओं के कटआउट और फोटो लगाए जा सकते हैं, तो मुलायम सिंह यादव की मूर्ति लगाना कोई अपराध नहीं है। फिर भी विवाद न बढ़े, इसके लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने निर्देश दिया है कि वहां मुलायम सिंह यादव की मूर्ति न लगाकर संत परंपरा के अनुसार भगवान राम या कृष्ण की मूर्ति स्थापित की जाए।

एक कॉल से फंसी, सुपरिटेंडेंट से बोली- पैसे को गोल्ड में कनवर्ट करके भेजो

70 लाख रिश्वत लेने वाली महिला आईआरएस ऐसे पकड़ी गई

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में सेंट्रल जीएसटी की डिप्टी कमिश्नर (IRS अफसर) प्रभा भंडारी रिश्वतकांड की मास्टर-माइंड निकलीं। एक फोन कॉल के जरिए उनकी पोल खुली और CBI की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, CBI ने 70 लाख की घूस लेते जीएसटी के 2 सुपरिटेंडेंट को रंगेहाथ पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने बताया कि मास्टरमाइंड मैडम हैं। उनके कहने पर ही डेढ़ करोड़ में डील हुई थी। पहली किस्त के तौर पर 70 लाख रुपए ले रहे थे। ऐसे में CBI अफसरों ने अपने सामने सुपरिटेंडेंट से मैडम को फोन करवाया। दो रिंग जाते ही मैडम ने कॉल उठा ली। सुपरिटेंडेंट ने कहा- पार्टी से 70 लाख रुपए आ गए। जबाव में प्रभा बोली- बहुत बढ़िया। इस रकम को गोल्ड में कनवर्ट कराकर मुझे दे दो।

इस दौरान प्रभा भंडारी दिल्ली में थी। तब एक टीम ने उनको दिल्ली में ही अरेस्ट कर लिया। इस बीच झांसी में बुधवार रात उनके फ्लैट का ताला तोड़कर सीबीआई ने लगभग 4 घंटे तक तलाशी ली। जहां से गोल्ड, कैश और प्रॉपर्टी के कागजात बरामद किए गए। प्रभा भंडारी के पति आर्मी में कर्नल हैं। अफसर डेढ़ करोड़ रुपए की डिमांड कर रहे थेः मामले को निपटाने के लिए सेंट्रल जीएसटी अफसर डेढ़ करोड़ रुपए की डिमांड कर रहे थे। इसको लेकर वकील नरेश कुमार गुप्ता के जरिए जय दुर्गा हार्डवेयर का प्रोपराइटर राजू मंगनानी से बातचीत चल रही थी। इनपुट सीबीआई तक पहुंचा। फिर आरोपियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। मंगलवार को झांसी पहुंची CBI टीमः CBI टीम ने कार्रवाई के लिए मंगलवार को ही झांसी में डेरा डाल दिया था।

डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी

बताया जा रहा है कि 12 दिन पहले सेंट्रल जीएसटी ने जय दुर्गा हार्डवेयर फर्म पर छापा मारा था। इस केस को रफा-दफा करने के लिए अफसरों ने डेढ़ करोड़ की घूस मांगी थी। इसकी खबर सीबीआई को लग गई। तब से सेंट्रल जीएसटी विभाग जांच एजेंसी की रडार पर था।

12 दिन पहले डिप्टी कमिश्नर ने छापा मारा था

19 दिसंबर को डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी के नेतृत्व में सेंट्रल जीएसटी की टीम ने झोकन बाग में जय दुर्गा हार्डवेयर फर्म पर छापा मारा था। फर्म पर टैक्स में गड़बड़ी करने का आरोप था। 13 करोड़ की कर वसूली का मामला बन रहा था। टीम यहां से 3 बोरों में कागजात भरकर ले गई थी।

सेवा के नाम पर सौदा, धर्मांतरण का मसौदा

बिजनौर में नहीं होगा बर्दाश्तः मौसम चौधरी

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। जनपद बिजनौर सदर विधायक सूची चौधरी के पति मौसम चौधरी ने ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्मांतरण मामले का विरोध करते हुए कहा कि सेवा के नाम पर सौदा, धर्मांतरण का मसौदा, बिजनौर में बर्दाश्त नहीं होगा। बिजनौर विधानसभा के ग्राम घनुवाला में ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्मांतरण के नाम पर लालच देकर किसान की ज़मीन को प्रपंच रचकर ज़बरन अवैध रूप से कब्ज़ा करने का दुस्साहस किया गया और किसान की ज़मीन पर क्रोस लगाने का कुंठित प्रयास किया गया। जिसकी सूचना मिलने पर भाजपा नेता मौसम चौधरी मौके पर पहुंचे और उन्होंने मामला संज्ञान में लेते हुए विरोध जताया। उन्होंने तुरंत मामले की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही

तत्काल, सेक्टर मजिस्ट्रेट, एसडीएम और एसपी सिटी मौके पर पहुंचे और उनकी मौजूदगी में ईसाई मिशनरियों द्वारा किये जा रहे उत्पीड़न और अवैध कब्जे को रुकवाया। मौसम चौधरी ने दो तो कहा कि बिजनौर विधानसभा में किसी भी सनातनी, हिंदूओ की भावनाओं को आहत करने व भोले -भाले ग्रामीण व्यक्ति की ज़मीन को धर्मांतरण और अवैध रूप से लालच देकर छल प्रपंचों से क़ब्जाने का दुस्साहस अगर किसी ने किया तो उसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। धर्मांतरण की मानसिकता किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नाराजगी: रात के अंधेरे में शिवलिंग व नंदी प्रतिमा को किया गया क्षतिग्रस्त

मंदिर में तोड़फोड़ से बिगड़ा माहौल

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर/धामपुर। थाना क्षेत्र के गांव सरकड़ा चकराजमल में बुधवार रात एक शिव मंदिर को निशाना बनाए जाने की घटना से गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया। अज्ञात असामाजिक तत्वों ने गांव के बाहर स्थित शिव मंदिर में घुसकर वहां स्थापित शिवलिंग और नंदी महाराज की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की जानकारी गुरुवार सुबह उस समय हुई, जब महिलाएं प्रतिदिन की तरह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचीं।

मंदिर परिसर में शिवलिंग और नंदी प्रतिमा टूटी देख महिलाओं में अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने तुरंत गांव लौटकर अन्य ग्रामीणों को घटना से अवगत कराया। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर पर एकत्र हो गए। सूचना फैलते ही हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और घटना को लेकर रोष व्यक्त किया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभालते हुए लोगों को शांत कराया। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ग्रामीणों के सहयोग से खंडित मूर्तियों के स्थान पर नई मूर्तियां स्थापित कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

गांव के जिला पंचायत सदस्य एवं भाजपा नेता सुभाष चौहान सहित कर्मवीर सिंह, हिरेंद्र सिंह, दिनेश सैनी और शुभम ने बताया कि मंदिर में लंबे समय से शिवलिंग, नंदी महाराज और भगवान शिव परिवार की अन्य प्रतिमाएं स्थापित हैं। उन्होंने इसे आस्था पर सीधा हमला बताते हुए कहा कि इस तरह की घटना गांव के इतिहास में पहले कभी नहीं हुई।

ग्रामीणों में भय और नाराजगी

■ पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे ने बताया कि घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ ही अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। दोषियों के चिन्हित होते ही उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में नए साल पर बूंदाबांदी, ठंड बढ़ी

मथुरा। यूपी में नए साल की शुरुआत भयंकर ठंड के साथ हुई। मथुरा में गुरुवार को मौसम बदल गया है। सुबह से बदली छाई थी। दोपहर बाद बूंदाबांदी हुई है। अधिकतम तापमान 15 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। पहाड़ों पर बर्फबारी से पहली बार सीजन में रात के वक्त न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश का तापमान शिमला और मनाली जैसे हिल स्टेशनों से भी कम रिकॉर्ड किया गया। नए साल की पहली सुबह प्रयागराज, काशी, झांसी, नोएडा, गाजियाबाद समेत 35 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कई जगह विजिबिलिटी शून्य से 10 मीटर के बीच रिकॉर्ड की गई। शुक्रवार को 32 जिलों में घना कोहरे का अलर्ट है। इनमें कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, संभल, बिजनौर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, फिरोजाबाद, आगरा, इटावा, जालौन, झांसी, महोबा, हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट शामिल हैं।

नहटौर में पत्रकारों पर अभद्रता के मामले ने पकड़ा तूल

वन विभाग के सिपाही पर निलंबन की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

नहटौर। वन विभाग के एक सिपाही द्वारा पत्रकारों के साथ की गई अभद्रता का मामला अब गंभीर मोड़ लेता जा रहा है। बुधवार को स्थानीय पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल थानाध्यक्ष धीरज नागर से मिला और आरोपी वन विभाग सिपाही के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। पत्रकारों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि तीन दिन के भीतर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन की अगली रणनीति बनाकर सड़कों पर उतरेंगे। पत्रकारों ने थानाध्यक्ष को अवगत कराया कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के साथ इस तरह का अमर्यादित व्यवहार न केवल निंदनीय है, बल्कि कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। प्रतिनिधिमंडल ने आरोपी सिपाही को तत्काल निलंबित किए जाने की मांग की। इस पर थानाध्यक्ष धीरज नागर ने मामले की रिपोर्ट वन विभाग के उच्चाधिकारियों को प्रेषित करने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस मौके पर नीरज भारद्वाज, मुनीश राणा, कुलवीर चौधरी, महकार सिंह तोमर, डॉ. सुशील शर्मा, अकबर अली, आबिद अंसारी, विपिन वर्मा, विशाल शर्मा, ऋषभ जैन, संजय शर्मा, हामिद सलमानी, अ. कलाम, अरविंद जोशी, मोहित शर्मा, निधि शर्मा, मौ. फैजान, मौ. दानिश, शहजाद मलिक सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

क्या है पूरा मामला

बताया गया कि दो दिन पूर्व नहटौर स्थित वन चौकी पर चल रहे किसानों के धरने की कवरेज करने पहुंचे दो पत्रकारों के साथ वहां तैनात वन विभाग के सिपाही शुभम मलिक ने अभद्रता की। आरोप है कि सिपाही ने दबंगई दिखाते हुए शारीरिक बल प्रयोग किया और पत्रकारों को मौके से भगा दिया। इस घटना से पत्रकारों में भारी आक्रोश फैल गया।

पीड़ित पत्रकारों ने थाने पहुंचकर आरोपी वन रक्षक के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। अब पत्रकार संगठनों के एकजुट होने से मामला और गर्मा गया है। साफ संकेत हैं कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह विरोध आंदोलन का रूप ले सकता है।

कुशीनगर में मां बोली- पुलिस आरोपियों का एनकाउंटर करे या हमें गोली मार दे

निशांत हत्याकांड: सड़क पर शव रखकर हंगामा

> मौके पर तनाव को देखते हुए मौके पर 5 थानों का फोर्स और एक कंपनी पीएसी तैनात की गई है। विरोध में बाजार बंद है। पुलिस परिजनों को मनाने का प्रयास कर रही है। पूरा मामला कसया थाना क्षेत्र का है।

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

निशांत, मृतक

कुशीनगर । यूपी के कुशीनगर में निशांत सिंह की हत्या कर दी गई। आपसी रंजिश के चलते आरोपी फैजल और नौशाद ने दिन दहाड़े चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। आरोपियों ने निशांत के दोस्त पर भी हमला किया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया। इसके बाद गुरुवार सुबह 10 बजे शव निशांत के गांव जुडवानिया पहुंचा। लाश के घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिवार ने आरोपियों के एनकाउंटर और बुलडोजर एक्शन की मांग कर अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया।

परिवार के लोग सैकड़ों ग्रामीणों के साथ सड़क पर शव रखकर बैठ गए। निशांत की मां ने कहा- जैसे मेरे बेटे की हत्या हुई है, वैसे ही आरोपियों का एनकाउंटर हो। उनके घरों पर बुलडोजर चले। अगर पुलिस प्रशासन यह नहीं कर पा रहा तो हम लोगों को गोली मार दे। निशांत के परिवार के ज्योतिष कुमार ने बताया- निशांत बुधवार को खेत के लिए खाद लेने कसया जा रहा था।

शव पहुंचते ही सड़क जाम कर हंगामा

गुरुवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद निशांत उर्फ शक्तिमान सिंह का शव गांव पहुंचा। परिवार के लोगों ने सैकड़ों ग्रामीणों के साथ मिलकर नैका छपरा चौराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया। अंतिम संस्कार से इनकार कर आरोपियों के घर पर बुलडोजर एक्शन की मांग करने लगे। साथ ही फरार फैजल के एनकाउंटर की मांग करने लगे। अब भी सैकड़ों लोग चौराहे पर प्रदर्शन कर रहे हैं। मौके पर डीएम को बुलाने की मांग पर अड़े हैं। अपर पुलिस अधीक्षक कुशीनगर ने बताया परिजनों की तहरीर पर बुधवार रात को ही मुकदमा दर्ज कर लिया गया। एक आरोपी नौशाद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। फैजल की तलाश की जा रही है। अंतिम संस्कार के लिए परिवार को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। गांव में कई थानों की पुलिस और पीएसी के जवान तैनात किए गए हैं।

मृतक निशांत अपने माता-पिता की इकलौती संतान था

परिजनों ने बताया- मृतक निशांत अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। उनके पिता संतोष सिंह किसान हैं और खेती-बाड़ी करके परिवार का गुजारा करते हैं। निशांत 12वीं की पढ़ाई के बाद सेना और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था।

मथुरा के 44 स्वयंसेवकों को आपदा मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु लखनऊ भेजा

जिलाधिकारी ने बस को हरी झंडी दिखाकर लखनऊ किया रवाना

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। गुरुवार को दिनांक 02 जनवरी 2026 से 13 जनवरी 2026 तक राज्य आपदा मोचन बल लखनऊ द्वारा आयोजित आपदा मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु जनपद के 44 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण हेतु भेजा गया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बस को लखनऊ के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के 24 एन0सी0सी0, 7 नागरिक सुरक्षा, 4 एन0एस0एस0 तथा 9 नेहरू युवा केंद्र, कुल 44 स्वयंसेवकों को आपदा मित्र के प्रशिक्षण हेतु लखनऊ भेजा जा रहा है। सभी को राज्य आपदा मोचन बल लखनऊ द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के आयोजन / संचालन से सबंधित समस्त व्यवस्थाएँ यथा ठहरने, भोजन, प्रशिक्षण, संबंधित सामग्री, आवागमन हेतु व्यय इत्यादि राज्य आपदा मोचन बल लखनऊ द्वारा किया जायेगी। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक स्वयंसेवक/वालेन्टियर को शासन द्वारा निर्गत आदेशों के अनुसार एक इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट प्रदान करते हुए बीमा पॉलिसी भी निर्गत की जायेगी। जिलाधिकारी ने सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए लखनऊ हेतु रवाना किया।

बिजनौर यातायात पुलिस ने 3 करोड़ शमन शुल्क वसूला

स्थिति जस की तस जाम की समस्या बरकरार, फिर भी नहीं रुक रहे हादसे

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। बिजनौर जिले में वर्ष 2025 में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। यातायात पुलिस ने पूरे साल में डेढ़ लाख से अधिक वाहनों के चालान किए और लगभग तीन करोड़ रुपये का शमन शुल्क भी वसूला। इसके बावजूद सड़क हादसों में लोगों की जान जाने का सिलसिला लगातार जारी है, और लोग घायल भी हो रहे हैं। जिले भर में यातायात पुलिस कर्मियों के भारी इंतजाम के बावजूद जाम की समस्या बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में यातायात पुलिस ने कुल 1,51,642 चालान किए, जिनसे 2 करोड़ 96 लाख 24 हजार 300 रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। इनमें सबसे अधिक 82,442 चालान बिना हेलमेट वाहन चलाने पर किए गए। इसके अतिरिक्त, 17,404 वाहन चालक बिना ड्राइविंग लाइसेंस के पाए गए, जबकि 14,233 चालान तीन सवारी बैठाने के मामलों में हुए। सीट बेल्ट न लगाने पर 4,661, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन चलाने पर 946, नो-पार्किंग में वाहन खड़ा करने पर 5,245 और गलत दिशा में वाहन चलाने पर 6,113 चालान किए गए। शराब पीकर वाहन चलाने पर 302, ओवर स्पीड पर 2,679 और अन्य धाराओं में 16,083 चालान किए गए। यातायात पुलिस ने नियमों की अनदेखी करने वाले 1,534 वाहनों को सीज भी किया। यातायात प्रभारी दरोगा रवि नैन ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभियान पूरे वर्ष चलाया गया। उन्होंने वाहन चालकों से नियमों का पालन करने की अपील की, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

हड़कंप : अवैध खनन पर प्रशासन का करारा प्रहार

तमसा संकेत, संवाददाता

चांदपुर । बिजनौर जनपद में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी और सख्त कार्रवाई करते हुए खनन माफियाओं की नींद उड़ा दी है। चाँदपुर तहसील क्षेत्र के चेहला गांव के जंगलों में चल रहे अवैध खनन पर प्रशासन ने अचानक छापा मारकर बड़ी सफलता हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तहसीलदार आलोक कटियार के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने जंगल क्षेत्र में अवैध खनन करते हुए पांच ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और एक जेसीबी मशीन को मौके से पकड़ लिया। यह कार्रवाई उस समय की गई जब लंबे समय से क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायतें सामने आ रही थीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे पहले चाँदपुर तहसील क्षेत्र में रात के समय, खासकर जब घना कोहरा छाया रहता था, तब खनन माफिया बेखौफ होकर अवैध खनन को अंजाम देते थे। आरोप है कि अंधेरे और कोहरे की आड़ में भारी मशीनों से मिट्टी और खनन का अवैध खनन किया जाता था, जबकि प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लग पाती थी।

लेकिन इस बार प्रशासन ने पूरी रणनीति के साथ कार्रवाई करते हुए खनन माफियाओं पर करारा प्रहार किया है। अचानक हुई इस छापेमारी से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और अवैध खनन में लिप्त लोग मौके से फरार होने पर मजबूर हो गए।

फिलहाल पकड़े गए ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और जेसीबी को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

व्यवस्थाओं के निरीक्षण के साथ सुधार के सुझाव

गौशाला में साफ सफाई व्यवस्था संतोष जनक देख की चैयरमैन लोकेंद्र चौधरी की सराहना

तमसा संकेत, संवाददाता

झालू। भारतीय किसान यूनियन ने धार्मिक परंपरा के साथ सामाजिक सरोकार को जोड़ते हुए नगर की कान्हा गौशाला में कार्यक्रम आयोजित किया। भाकियू के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गौशाला पहुंचकर गौवंश को गुड़ खिलाया और पशु कल्याण की कामना की।

इस मौके पर संगठन के नगर अध्यक्ष डॉ. कार्मेंद्र सिंह, पूर्व युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष शुभम कुमार राणा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पशु चिकित्सकों की टीम भी गौशाला पहुंची, जिनमें डॉ. जसवीर सिंह राणा, डॉ. रविंद्र सिंह, डॉ. जाहिद और डॉ. अरुण शामिल रहे। भाकियू प्रतिनिधियों ने चिकित्सकों से बातचीत कर पशुओं के स्वास्थ्य, देखभाल और नियमित जांच की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान गौशाला की साफ-सफाई और व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। किसान यूनियन की टीम ने चैयरमैन लोकेंद्र चौधरी की सराहना करते हुए कहा कि गांव वंश की देखभाल अच्छी तरह से की जा रही है। इस अवसर पर संगठन की ओर से व्यवस्थागत सुधार को लेकर सुझाव भी दिए गए। भाकियू ने छोटे और बड़े पशुओं को अलग रखने के लिए गौशाला में एक अतिरिक्त गेट लगाए जाने की आवश्यकता जताई।

> मौके पर तैनात कर्मचारियों ने बताया कि गौवंश को प्रतिदिन सुबह-शाम हरा चारा उपलब्ध कराया जाता है और जरूरत पड़ने पर भूसे की भी व्यवस्था की जाती है। भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि गौशाला में अनुशासित व्यवस्था और स्वच्छ वातावरण देखकर प्रसन्नता हुई।

भदोही के बंदियों ने कालीन पर उकेरा माघ मेले का लोगो

भदोही । माघ मेला प्रयागराज में जिला कारागार ज्ञानपुर, भदोही के बंदियों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट कालीनों की विक्रय एवं प्रदर्शनी के उद्देश्य से आरक्षित वाहन को जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने गुरुवार को हरी झंडी दिखाकर प्रयागराज के लिए रवाना किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेमाघ मेला प्रयागराज 2026 का विशिष्ट लोगो यानी प्रतीक चिन्ह जारी किया गया था, जिसे हुनरमंद कैदियों ने अपने मेहनत से कालीन पर उकेरकर पर जीवंत कर किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कारागार के हुनरमंद बंदियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न आकर्षक डिज़ाइन एवं उत्कृष्ट बुनाई वाले कालीनों का अवलोकन किया तथा उनकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कारागार अधीक्षक अभिषेक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में कुल 113 कालीन, विभिन्न साइज एवं आकर्षक डिज़ाइनों में तैयार कर माघ मेला प्रयागराज भेजे गए हैं।

एसबीआई बैंक मैनेजर सरयू में कूदा

पीठ से बैग तक नहीं उतारा, पत्नी को लास्ट लोकेशन भेजी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या में SBI ब्रांच मैनेजर ने सरयू नदी में कूदकर जान दे दी। वह दोपहर 12 बजे पुल पर पहुंचे। वहां से पत्नी को लास्ट लोकेशन भेजी। इसके बाद पीठ पर लदा बैग बिना उतारे वह कूद गए। दिन का वक्त होने के चलते पुल पर भीड़भाड़ थी।

लोगों ने उन्हें कूदते देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। रात करीब 8 बजे मैनेजर का शव मिला। बैग में मिले कागजों से उनकी शिनाख्त राम बाबू सोनी (38) के रूप में हुई।

पुलिस ने रात को परिवार को जानकारी दी। राम बाबू सोनी गोंडा जिले के मनकापुर के रहने वाले थे। वह बहराइच में SBI ब्रांच में तैनात थे। बैंक मैनेजर ने सुसाइड क्यों किया? वजह अभी क्लियर नहीं हो पाई है। घर से दवा लेने निकले, रास्ते में कूद गए: अयोध्या कोतवाली प्रभारी पंकज सिंह ने कहा- 31 दिसंबर को रामबाबू बैंक नहीं गए थे। वह सुबह घर से दवा लेने के लिए अयोध्या बाइपास के लिए निकले थे। दोपहर 12 बजे गोरखपुर हाईवे पर सरयू पर बने पुल के पास पहुंचे। वहां उन्होंने मां शोभा देवी से फोन पर बात की। फिर पत्नी को लास्ट लोकेशन भेज दी। इसके बाद फोन स्विच ऑफ करके नदी में कूद गए। छोटे भाई ओम बाबू ने बताया- राम बाबू को सिरदर्द रहता था। वह दवा भी खाते थे। बुधवार को घर से दवा लेने की बात कहकर निकले थे। रास्ते में उन्होंने घरवालों से बात की। उसका बाद फोन ऑफ हो गया। रात में पुलिस से फोन पर उनके सुसाइड की जानकारी दी।

पत्नी हाउस वाइफ, 13 और 10 साल की दो बेटियां

राम बाबू की 2011 में सिद्धार्थ नगर जिले के बांसी में रहने वाली ऐश्वर्या लक्ष्मी से शादी हुई थी। उनकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी ओजस्वी 13 साल जबकि छोटी बेटी अन्वी 10 साल की है। पत्नी हाउस हैं। 15 दिन पहले यानी 15 दिसंबर को परिवार के साथ जन्मदिन मनाया था। पिता विश्वनाथ सोनी की 2001 में मौत हो गई थी।

> भाई ने बताया राम बाबू की पहले असम एसबीआई में फील्ड अफसर की पोस्टिंग थी। उसके बाद यूपी में ट्रांसफर करा लिया था। पहले बस्ती में आरबीओ थे। 25 दिन पहले ही बहराइच में ट्रांसफर हुआ था।

25 दिन पहले ही बहराइच ट्रांसफर हुआ था

पुलिस के मुताबिक- राम बाबू जब पुल से सरयू में कूदे तो उनकी पीठ पर बैग था। जूते पहने हुए थे। बैग से मोबाइल फोन दवाएं और कागजात मिले हैं। हालांकि, अब तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस 2 एंगल पर जांच कर रही है। राम बाबू को सिर दर्द की बीमारी थी। उसका इलाज चल रहा था। पुलिस को शंका है कि वह बीमारी से परेशान हो गए थे। या कुछ ऐसा डॉक्टरों ने बता दिया था जिससे वह टूट गए और डिप्रेशन में जाकर सुसाइड कर लिया।

परिवार में किसी से कोई विवाद एंगल पर भी जांच की जा रही है।

धर्मांतरण मामले में कई लोग हिरासत में

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर । बिजनौर कोतवाली शहर क्षेत्र के घनुवाला गांव में धर्मांतरण का मामला एक बार फिर चर्चा में है। नव वर्ष की रात को गांव में हिंदू से ईसाई बने कुछ लोगों की जमीन पर ईसाई धर्म का एक चिन्ह लगा मिला। इस चिन्ह के पास फूल और मोमबत्तियां भी रखी पाई गईं।

ग्रामीणों ने सुबह जंगल जाते समय शिवचरन सिंह के परिवार की जमीन में लोहे के सरिये से बना यह ईसाई धर्म का चिन्ह देखा। इसकी सूचना तुरंत पूरे गांव में फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक (नगर) डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह, सीओ सिटी संग्राम सिंह और शहर कोतवाल धर्मेंद्र सिंह भारी पुलिस बल के साथ घनुवाला गांव पहुंचे। उन्होंने मौके का मुआयना कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान हिंदू संगठन के दर्जनों कार्यकर्ता और तहसील प्रशासन के अधिकारी भी गांव में मौजूद रहे। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों के कई लोगों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर ईसाई धर्म का चिन्ह लगाने का आरोप लगा रहे हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

स्विट्जरलैंड बार ...

इसमें बताया कि विस्फोट कॉन्स्टेलेशन बार में रात 1:30 बजे हुआ। हालांकि मरने वालों की संख्या बताई गई लेकिन पुलिस ने कहा कि कई दर्जन लोगों की मौत की आशंका है, जिनमें कई देशों के नागरिक शामिल हैं। फिलहाल क्रांस-मोंटाना शहर को नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है। पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू में जुटी हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, अस्पताल झुलसे हुए मरीजों से भर गए हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

स्विस मीडिया के मुताबिक, सभी उपलब्ध रेस्क्यू हेलिकॉप्टर मदद के काम में लगाए गए हैं। इटली ने भी एक हेलिकॉप्टर भेजा है।

आतिशबाजी की वजह ...

स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हर 10 मिनट में रेस्क्यू हेलिकॉप्टर उड़ते नजर आए।

मशहूर टूरिस्ट प्लेस...

बता दें कि हर साल, स्विट्जरलैंड को जंगल की आग के खतरे से जूझना पड़ता है, खासकर गर्म और शुष्क मौसम के दौरान. वास्तव में, 2001 से 2024 तक, स्विट्जरलैंड ने आग के कारण अपने वन क्षेत्र का 3 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खो दिया.

'शाहरुख खान...

इसे भारत में रहने का हक नहीं है। योगी आदित्यनाथ की सरकार में अतीक जैसे बड़े बड़े अपराधी अल्लाह मियां को प्यारे हो गए।

सोशल मीडिया पर ...

आप कभी पाकिस्तान को चंदा देने की बात करते हैं तो कभी रहमान जैसे खिलाड़ियों को खरीदने की बात करते हैं। ये देश में अब नहीं चलेगा। अब देश में ऐसा नहीं चलेगा।

एनपीएस में बड़ा ...

एसबीआई के पूर्व चेयरमैन दिनेश कुमार खारा को चेयरपर्सन बनाया गया है जबकि यूटीआई एएमसी की पूर्व अधिशासी वाइस प्रेसिडेंट स्वाति अनिल कुलकर्णी और डॉ. अरविंद गुप्ता, सह-संस्थापक एवं प्रमुख (डिजिटल इंडिया फाउंडेशन) सामान्य ट्रस्टी होंगे।

एसबीआइ के पूर्व चेयरमैन खारा की नियुक्ति को पूरे पेंशन सिस्टम में गवर्नेंस की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इसके साथ ही पीएफआरडीए ने 1 अप्रैल 2026 से निवेश प्रबंधन शुल्क (आईएमएफ) की नई स्लैब-आधारित व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। सरकारी क्षेत्र के कुछ स्कीमों में शुल्क अपरिवर्तित रहेगा लेकिन गैर-सरकारी क्षेत्रों (एनजीएस) के सब्सक्राइबर्स के लिए दरें काफी कम हो जाएंगी।

यह कदम बाजार की जरूरत को देखते हुए किया गया है और इससे एनपीएस को कारपोरेट सेक्टर, रिटेल व गिग इकोनमी में विस्तार देने में मदद मिलेगी।

अनौपचारिक सेक्टर और युवाओं के बीच भी एनपीएस को लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी। पीएफआरडीए का कहना है कि ये सुधार एनपीएस को अधिक प्रतिस्पर्धी, सुशासित और लचीला बनाएंगे, जिससे सब्सक्राइबर्स को बेहतर रिटायरमेंट परिणाम और वृद्धावस्था में मजबूत आय सुरक्षा मिलेगी।

यहां बताते चलें कि एनपीएस में कोई स्थाई रिटर्न का इंतजाम नहीं होता बल्कि यह ग्राहकों की तरफ से पसंद किये गये विकल्पों के आधार पर तय होता है। शेयरों में निवेश का विकल्प चुनने पर ग्राहकों को ज्यादा रिटर्न मिलने की संभावना है लेकिन यहां जोखिम भी होता है। पीएफआरडीए ने अब 100 फीसद तक फंड की राशि को इक्विटी में निवेश की अनुमति दे रखी है। इसके अलावा सरकारी बांड्स, कारपोरेट बांड्स आदि कम जोखिम वाले भी विकल्प हैं।

बैंकों को स्वतंत्र ...

इससे केवल वित्तीय रूप से मजबूत और आधारभूत तौर पर सुरक्षित बैंक ही इस क्षेत्र में प्रवेश कर पाएंगे। इसके साथ ही एनपीएस ट्रस्ट बोर्ड में नई नियुक्तियां भी की गई हैं।

बांग्लादेश में फिर ...

पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दरअसल, सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाया जा रहा था कि दीपू चंद्र दास ने फेसबुक पर ऐसी टिप्पणी की थी, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं, लेकिन जांच एजेंसियों का कहना है कि अब तक ऐसी किसी भी पोस्ट या टिप्पणी के प्रमाण नहीं मिले हैं।

बांग्लादेश में 12 दिन के भीतर 3 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है। 18 दिसंबर को दीपू चंद्र की हत्या के बाद 24 दिसंबर को भीड़ ने एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। घटना राजबाड़ी जिले के होसेनडांगा गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान 29 वर्षीय अमृत मंडल उर्फ सम्राट के तौर पर हुई। पुलिस ने बताया कि अमृत को भीड़ ने जबरन वसूली के आरोप में मार डाला। वह होसेनडांगा गांव का ही निवासी था। पुलिस ने बताया कि अमृत के खिलाफ पांगशा पुलिस स्टेशन में दो मामले दर्ज हैं। इनमें एक हत्या का मामला भी शामिल है। इसके बाद 29 दिसंबर को मैमनसिंह जिले में एक कपड़ा फैक्ट्री के अंदर हिंदू कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना भालुका उपजिला की सुलताना स्वेटर्स लिमिटेड फैक्ट्री में हुई। मृतक की पहचान बजेंद्र बिस्वास (42) के रूप में हुई है, जो फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड था।

पिछले महीने ...

इस मामले की जांच में यह सामने आया कि जिस दावे के आधार पर भीड़ ने हमला किया था, उसके कोई सबूत नहीं मिले।

पहली वंदे भारत...

यह ट्रेन 180 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से कोटा-नागदा रेलवे ट्रैक पर दौड़ी। लोको पायलट ने 4 ग्लास में पानी रखा, इतनी रफ्तार के दौरान भी ग्लास में से पानी नहीं छलका। उधर बुलेट ट्रेन को लेकर रेलमंत्री ने कहा कि यह 15 अगस्त 2027 को शुरू होगी। सबसे पहले सूरत से बिलिमोरा तक का सेक्शन खुलेगा। उसके बाद वापी से सूरत तक खुलेगा। फिर वापी से अहमदाबाद तक खुलेगा और उसके बाद ठाणे से अहमदाबाद तक चलाई जाएगी।

भू-माफिया पर जीरो ...

रिहैब सेंटर में स्वास्थ्य लाभ ले रही अंजना बुधवार को मुख्यमंत्री से मिलीं और बताया कि चंदौली के बलराम यादव ने उनके मकान पर कब्जा कर लिया है।

मुख्यमंत्री से उन्हें 24 घंटे के भीतर न्याय का भरोसा मिला और गुरुवार को दोपहर से पहले ही उन्हें जब अपने मंकान पर कब्जा मिला तो उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े और मुंह से निकला- 'गॉड ब्लेस यू योगी अंकल!' जमीन और मकान कब्जा होने की सूचना जब अंजना को मिली तो उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने का आग्रह किया। 31 दिसंबर (बुधवार शाम) मुख्यमंत्री ने उन्हें पास बुलाया और सैनिक की बेटी की पीड़ा को ध्यान से सुना। पीड़िता ने मुख्यमंत्री को बताया कि विगत दिनों चंदौली के बलवंत यादव ने फर्जी दस्तावेज लगाकर मकान पर कब्जा कर लिया है। मकान पर बलवंत कुमार का बोर्ड भी लगा दिया गया है।

उन्होंने छह दिसंबर को स्थानीय थाने पर प्रार्थना पत्र देकर इसे खाली कराने का आग्रह किया। जब इस प्रक्रिया में विलंब होने लगा तो उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर अपनी व्यथा सुनाई।

इंदौर में 14 मौतों ...

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने दूषित पानी से मौतों की मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग के अनुसार, अगर मीडिया रिपोर्ट में कही गई बातें सही हैं तो इससे यह पीड़ितों के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मुद्दा उठता है। शिकायतों के बावजूद कथित रूप से अधिकारियों ने दूषित पानी की आपूर्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की।

नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और ट्रिब्यूनल की तैयारी शुरू, 1975 में पहली बार प्रपोजल लाया गया था

नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट आंशिक रूप से लागू

प्रावधान

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में खेल प्रशासन से जुड़ा नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट गुरुवार से आंशिक रूप से लागू हो गया है। इसके तहत केंद्र सरकार ने उन प्रावधानों को लागू कर दिया है, जिनसे नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड (NSB) और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल (NST) के गठन की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी।

यह कानून पिछले साल 18 अगस्त को अधिसूचित किया गया था और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे देश का अब तक का सबसे बड़ा खेल सुधार बताया था।

इस बिल को 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया गया और 11 अगस्त को इसे वहां पारित कर दिया गया। इससे एक दिन बाद राज्यसभा ने दो घंटे से ज्यादा समय तक चली चर्चा के बाद इसे पारित कर दिया था। नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 से हुई थी। लेकिन हर बार राजनीतिक कारणों के चलते यह बिल कभी संसद नहीं जा पाया था।

> खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने 23 जुलाई को लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 पेश किया था। इस बिल में खेलों के विकास के लिए नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बॉडी, नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड, नेशनल खेल इलेक्शन पैनल और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल बनाने के प्रावधान हैं। संसद में इस बिल को जीपीसी में भेजने की मांग भी उठी है।

नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 में हुई थी। लेकिन राजनीतिक कारणों से यह कभी संसद तक नहीं पहुंच सका था। 2011 में नेशनल स्पोर्ट्स कोड बना, जिसे बाद में बिल में बदलने की कोशिश हुई, लेकिन वह भी अटक गया। अब 2036 ओलिंपिक की बोली लगाने की तैयारी के तहत खेल प्रबंधन में पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय स्तर की व्यवस्था लाने के लिए इसे लाया गया है।

एनएसबी में एक चेयरपर्सन और सदस्य होंगे

नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड (NSB) और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल (NST) का गठन भी आंशिक रूप से लागू होने के साथ शुरू हो जाएगा। NSB में एक चेयरपर्सन और सदस्य होंगे जिन्हें केंद्र सरकार नियुक्त करेगी, जिनके पास पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, स्पोर्ट्स गवर्नेंस, स्पोर्ट्स लॉ और दूसरे संबंधित क्षेत्रों में खास जानकारी या प्रैक्टिकल अनुभव हो।

ये नियुक्तियां एक सर्च-कम-सिलेक्शन कमेटी की सिफारिशों के आधार पर की जाएंगी। मंत्रालय ने कहा, एक्ट को धीरे-धीरे लागू करने का मकसद कानूनी स्पोर्ट्स गवर्नेंस फ्रेमवर्क में आसानी से बदलाव सुनिश्चित करना है।

2025 में भारतीय महिला टीम को वनडे में 65.22 जीत

हरमनप्रीत की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता, मंधाना ने 23 वनडे मैचों में 1362 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी

साल 2025 भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार ICC महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर दशकों का इंतजार खत्म कर दिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर 2005 और 2017 के फाइनल में मिली निराशा का बदला चुकता किया। साल 2025 में भारत का वनडे प्रदर्शन भी शानदार रहा। टीम इंडिया ने कुल 23 वनडे मैच खेले, जिनमें 15 में जीत, 7 में हार और 1 मैच बेनतीजा रहा। इस दौरान भारत का जीत प्रतिशत 65.22 रहा, जो टीम की निरंतरता और मजबूती को दर्शाता है।

वर्ल्ड कप के बीच में भारतीय टीम मुश्किल दौर से गुजरी। साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन मैच हारने के

बाद भारत को लगभग टूर्नामेंट से बाहर माना जा रहा था। लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 53 रन की जीत ने टीम की किस्मत बदल दी।

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने 339 रन का लक्ष्य हासिल किया, जो पुरुष या महिला में किसी भी वर्ल्ड कप नॉकआउट मुकाबले में अब तक का सबसे बड़ा रन चेज रहा। साल 2025 स्मृति मंधाना के करियर का सबसे यादगार साल साबित हुआ। उन्होंने 23 वनडे मैचों में 1362 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 61.90 और स्ट्राइक रेट 109.92 रहा। मंधाना ने साल में 5 शतक और 5 अर्धशतक लगाए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महज 50 गेंदों में शतक जड़कर उन्होंने भारतीय क्रिकेट का सबसे तेज वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया।

वर्ल्ड कप में उन्होंने 9 मैचों में 434 रन बनाए और टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने वर्ल्ड कप में 215 रन बनाए और 22 विकेट झटके। दीप्ति वर्ल्ड कप इतिहास की पहली खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में 200+ रन और 20+ विकेट का डबल पूरा किया।

सरफराज के शतक से मुंबई जीता विजय हजारे ट्रॉफी में 157 रन बनाए

पडिक्कल का चार मैचों में तीसरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी

सरफराज खान के शतक की बदौलत मुंबई ने गोवा को 87 रन से हरा दिया। विजय हजारे ट्रॉफी के चौथे राउंड में खेले गए इस मुकाबले में सरफराज ने बुधवार को सिर्फ 75 गेंदों में 157 रन की तेज पारी खेली। जयपुरिया विद्यालय ग्राउंड पर मुंबई ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 444 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। सरफराज की पारी में 9 चौके और 14 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा हार्दिक तामोरे ने 53, मुशीर खान ने 60 और ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 46 रन का योगदान दिया। गोवा की ओर से दर्शन ने 3 विकेट झटके, जबकि वी. कौशिक और ललित यादव को 2-2 सफलता मिली। जवाब में गोवा की टीम 9 विकेट पर 357 रन ही बना सकी। टीम के लिए अभिनव तेजराना ने शतक जरूर लगाया, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़े लक्ष्य के दबाव में टिक नहीं सके और मुंबई ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल और देवदत्त पडिक्कल ने पुडुचेरी के खिलाफ शतक जड़े। पडिक्कल के लिए यह इस सीजन में चार मैचों में तीसरा शतक रहा। इससे पहले उन्होंने 22, 124 और 147 रन की पारियां खेली थीं। इस मुकाबले में मयंक अग्रवाल ने 132 और देवदत्त पडिक्कल ने 113 रन बनाए, जिसकी मदद से कर्नाटक ने 4 विकेट खोकर 363 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पुडुचेरी की टीम 296 रन पर ऑलआउट हो गई। कर्नाटक ने 67 रन से जीत हासिल की। वहीं ग्रुप-बी के एक मुकाबले में बंगाल ने जम्मू-कश्मीर को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। जम्मू-कश्मीर ने सिर्फ 64 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे बंगाल ने 10वें ओवर में ही हासिल कर लिया। केरल ने राजस्थान को 2 विकेट से हराकर नॉकआउट में जाने की उम्मीदें जिंदा रखीं हैं। 45वें ओवर में 7 विकेट पर 287 रन के स्कोर पर केरल की नॉकआउट की उम्मीदें लगभग खत्म होती दिख रही थीं। लेकिन आठवें विकेट के लिए ईडन एप्पल टॉम और अंकित शर्मा ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान के 343/7 के लक्ष्य को हासिल कर लिया।

तीन खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप डेब्यू का मौका ■ पैट कमिंस को भी जगह

टी-20 वर्ल्डकप के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रोविजनल टीम का हुआ ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने ICC मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 (भारत और श्रीलंका में प्रस्तावित) के लिए अपनी प्रोविजनल 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान मिचेल मार्श को सौंपी गई है। इस बार चयनकर्ताओं ने स्पिन गेंदबाजी पर ज्यादा भरोसा जताया है। हॉबर्ट हरिकेन्स के विस्फोटक बल्लेबाज मिचेल ओवेन को टीम में जगह नहीं मिली, जो चयन का सबसे बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है। इसके अलावा 2021 की चैंपियन टीम के विपरीत इस बार किसी भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन , ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। कूपर कोनोली का चयन चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्होंने पिछले 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा नहीं लिया था।

ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलियाः

ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में शामिल है, जहां उसके साथ श्रीलंका, जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड की टीमें हैं। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में है। अपने ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया सबसे मजबूत टीम है, लेकिन उसे श्रीलंका और आयरलैंड से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया का श्रीलंका के साथ 16 फरवरी को मुकाबला होगा। टीम अपना आखिरी लीग मैच 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ खेलेगी। उससे पहले उसे 13 फरवरी को जिम्बाब्वे से भी भिड़ना है।

पैट कमिंस की वापसी

टीम में ग्लेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन जैसे अनुभवी ऑलराउंडर शामिल हैं। गेंदबाजी विभाग में पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के साथ एडम जम्पा और मार्कस स्टोइनिस अहम भूमिका निभा सकते हैं, खासकर भारतीय पिचों पर। ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के चेयरमैन जॉर्ज बेली ने कहा,' टी-20 टीम ने हाल के सालों में शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे हमें भारत और श्रीलंका जैसी परिस्थितियों के लिए संतुलित टीम चुनने की आजादी मिली।' उन्होंने यह भी बताया कि पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और टिम डेविड की फिटनेस पर नजर रखी जा रही है, लेकिन उम्मीद है कि ये सभी वर्ल्ड कप के लिए उपलब्ध रहेंगे।

■ पैट कमिंस ने एशेज सीरीज के तीसरे मुकाबले से चोट के बाद टीम में वापसी की है।

मनोरंजन

करीना कपूर ने याद किया 2025 का सबसे बुरा समय, पति के साथ ऐसे शुरू किया नया साल

'हम बहुत रोए'

नई दिल्ली। साल 2025 करीना कपूर के लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहा। सबसे बड़ी घटना हुई जिसने करीना और उनके परिवार को हिला दिया। सैफ अली खान के ऊपर चाकू से हुए हमले ने उनके परिवार में सुनामी ला दी थी।

करीना कपूर खान ने नए साल का स्वागत किया लेकिन 2025 को खास विदाई देते हुए। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने बीते साल की सबसे बड़ी सीख को याद किया है।

करीना कपूर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सैफ अली खान के साथ एक तस्वीर शेयर की जिसमें दोनों एक-दूसरे के साथ पोज दे रहे हैं। पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ₹जैसे ही हम बैठकर इस बात पर सोचते हैं कि हम साल के आखिरी दिन तक पहुंच गए हैं। हम इतनी दूर तक आए हैं। 2025 हमारे, हमारे बच्चों और हमारे परिवारों के लिए एक मुश्किल साल रहा है लेकिन हम सिर ऊंचा करके, हंसते हुए और हिम्मत बनाए रखते हुए इससे गुजरे। हम बहुत रोए, हमने प्रार्थना की और अब हम यहां हैं।

> करीना कपूर ने आगे लिखा, "2025 ने हमें सिखाया कि इंसान का स्वभाव निडर होता है, प्यार हर चीज पर जीत हासिल करेगा और बच्चे हमारी सोच से ज्यादा बहादुर होते हैं। हम अपने फैंस, अपने दोस्तों और उन सभी को धन्यवाद देना चाहते हैं जो हमारे साथ खड़े रहे, हमारा साथ देते रहे और सबसे बढ़कर सर्वशक्तिमान भगवान को।"

करीना कपूर ने जुनून के साथ शुरू किया नया साल

करीना कपूर ने एनर्जी और पॉजिटिविटी के साथ नए साल की शुरुआत करते हुए कहा, हम 2026 में नए जोश, बहुत सारी कृतज्ञता, पॉजिटिविटी और जो काम हम सबसे अच्छा करते हैं, यानी फिल्में, उसके लिए कभी न खत्म होने वाले जुनून के साथ कदम रख रहे हैं। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, चढ़ दी कला (हमेशा सकारात्मक बने रहिए।)। सभी को नए साल की शुभकामनाएं।

'गाने को लेकर मेरे बारे में चल रहीं रिपोर्ट्स गलत'

घर कब आओगे' सॉन्ग कंट्रोवर्सी पर अनु मलिक बोले

नई दिल्ली। हाल ही में म्यूजिक कंपोजर अनु मलिक को लेकर खबरें आईं कि वो बॉर्डर-2 के गाने 'घर कब आओगे' में क्रेडिट नहीं मिलने से नाराज हैं। पीटीआई के हवाले से उनका एक इंटरव्यू सामने आया था, जिसमें उन्होंने क्रेडिट की मांग की थी। अब अनु मलिक ने इस पूरे विवाद पर अपनी सफाई दी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसके बारे में लिखा है। वो लिखते हैं- 'मैं ये साफ करना चाहता हूं कि घर कब आओगे गाने में भूषण जी ने मुझे पहले ही बेहद सम्मान और गर्मजोशी के साथ क्रेडिट दिया है। ये एक अनोखा कौलेबेरेशन है, जिसका मुझे बहुत गर्व है। मैंने अपने विचार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा कर दिए हैं। कोई भी अन्य रिपोर्ट जो भी दावा करती है, वो सारे ही गलत हैं। मैं इस कौलेबेरेशन के साथ गर्व और आभार के साथ खड़ा हूं।''घर कब आओगे' सॉन्ग कि बात करें तो टी-सीरीज ने इसका टीजर 29 दिसंबर को जारी किया था। टीजर में अनु मलिक का नाम सॉन्ग क्रेडिट में सबसे पहले आता है। उनके साथ गीतकार जावेद अख्तर का नाम भी शामिल है, जिन्होंने ओरिजनल गाने को लिखा है। इसके अलावा सॉन्ग डिस्क्रिप्शन में भी दोनों का नाम शामिल किया गया है।

रणवीर की फिल्म धुरंधर के दो शब्द किए गए म्यूट

नई दिल्ली। रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर के रिलीज को लगभग एक महीना होने जा रहा है। फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। लेकिन अब एक महीने बाद फिल्म में कुछ बदलाव किए गए हैं। ये बदलाव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की तरफ से मिले निर्देश के बाद हुए हैं।

दरअसल, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने फिल्म में दो शब्द को म्यूट करने और एक डायलॉग में बदलाव करने कहा था, जिसके बाद न्यू एडिटेड वर्जन को 1 जनवरी यानी आज से वर्ल्डवाइड थिएटर में दिखाया जाएगा।

बॉलीवुड हंगामा ने अपनी रिपोर्ट में सोर्स के हवाले से लिखा- 'देश भर के सिनेमाघरों को 31 दिसंबर को डिस्ट्रीब्यूटर की तरफ से एक ईमेल मिला, जिसमें उन्हें सूचित किया गया कि वे फिल्म के डीसीपी को बदल रहे हैं। इस बदलाव का कारण यह है कि फिल्ममेकर्स ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार फिल्म में दो शब्दों को म्यूट कर दिया है और एक डायलॉग में बदलाव किया है।' सोर्स ने ये भी बताया कि म्यूट किए गए शब्दों में से एक बलूच शब्द शामिल है। बता दें कि डायरेक्टर आदित्य धर की ये फिल्म 5 दिसंबर को वर्ल्ड वाइड रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त, राकेश बेदी, दानिश पंडोर जैसे कलाकारों ने काम किया है।

असरानी की 85वीं बर्थ एनिवर्सरी

इंदिरा गांधी से शिकायत के बाद मिलने लगा काम, जया -अमिताभ की शादी में बने दुल्हन के भाई

मुंबई। असरानी ऐसे एक्टर थे, जिनका नाम आते ही चेहरे पर मुस्कान आ जाती थी। शोले के जेलर हों, चुपके चुपके के धीरेंद्र बोस या फिर धमाल और खट्टा मीठा जैसी फिल्मों में उनके किरदार, आज भी लोगों को याद हैं। जयपुर में एक नॉन-फिल्मी परिवार में जन्मे असरानी ने मुंबई आकर फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई। यह रास्ता आसान नहीं था। हालांकि संघर्ष, ट्रेनिंग और लगातार मेहनत के दम पर उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी अलग छाप छोड़ी।

असरानी का असली नाम गोवर्धन असरानी था। उनके पिता की जयपुर में कार्पेट की दुकान थी। परिवार चाहता था कि असरानी आगे चलकर यही कारोबार संभालें, लेकिन उनका मन फिल्मों और एक्टिंग में लगता था। असरानी ने जयपुर के राजस्थान कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। पढ़ाई के दौरान खर्च चलाने के लिए उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो में वॉयस आर्टिस्ट के तौर पर काम भी किया।

नौशाद के नाम की चिट्ठी लेकर मुंबई पहुंचे

मैट्रिक की पढ़ाई करने के बाद असरानी नौशाद के नाम की चिट्ठी को लेकर जयपुर से मुंबई निकल पड़े। उन्हें लगा कि नौशाद साहब का नाम है, तो काम आसानी से मिल जाएगा। मुंबई पहुंचकर उन्होंने पहली बार बड़े शहर की चमक देखी। चौड़ी सड़कें, ऊंची इमारतें, तेज रफ्तार जिंदगी। उन्होंने घर चिट्ठी लिख दी कि अब तीन-चार दिन में काम मिल जाएगा, लेकिन हकीकत बिल्कुल उलट थी।

नौशाद का पता ढूंढते-ढूंढते एक महीना निकल गया। जब नौशाद का 'आशियाना' नाम का बंगला मिला, तो वहां के वॉचमैन से मुलाकात हुई। असरानी ने कहा कि वह जयपुर से नौशाद के नाम की चिट्ठी लेकर आए हैं और एक्टर बनना चाहते हैं। वॉचमैन ने साफ शब्दों में कहा, ₹यह गलतफहमी दूर कर लो। नौशाद साहब बहुत बिजी हैं। उनसे मिलने में वक्त लगेगा। बेहतर है चिट्ठी छोड़ जाओ और एक महीने बाद आना। असरानी को लगा कि अब तो रास्ता खुल गया है, लेकिन धीरे-धीरे भ्रम टूटने लगा। एक साल तक वो काम ढूंढते रहे। आखिरकार नौशाद साहब के भांजे ने दया खाकर उन्हें एक फिल्म में गेस्ट रोल दिलाया। फिल्म थी खोटा पैसा। इस रोल में उन्हें फिल्म के एक पार्टी सीन में लाइन में खड़े रहना था। फिल्म के इस रोल के लिए सूट चाहिए था, लेकिन असरानी के पास सूट तक नहीं था। मजबूरी में साढ़े पांच फीट लंबे असरानी को अपने छह फीट के मामा का बड़ा सूट पहनना पड़ा था।

पीएम ताकाइची भी परेशान, 1936 में बनी पार्लियामेंट बिल्डिंग, तब महिलाओं को वोटिंग राइट नहीं था

जापानी संसद में 73 महिला सांसदों के लिए एक टॉयलेट

समस्या

टोक्यो, एजेंसी

जापान में पीएम साने ताकाइची ने संसद में महिलाओं के लिए ज्यादा टॉयलेट बनाने की मांग की है। उनके साथ ही करीब 60 महिला सांसदों ने भी इसे लेकर एक याचिका दी है।

याचिका में कहा गया है कि संसद में महिलाओं की संख्या बढ़ी है, लेकिन इस मुताबिक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। अभी संसद के निचले सदन में 73 महिला सांसद हैं लेकिन उनके लिए सिर्फ 1 टॉयलेट है।

विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद यासुको कोमियामा ने कहा कि संसद सत्र के दौरान महिला सांसदों को टॉयलेट के बाहर लंबी लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। इस साल वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट में जापान 148 देशों में 118वें स्थान पर रहा। महिलाओं की भागीदारी कारोबार और मीडिया में काफी कम है। जापान अखबार यॉमियूरी शिंबुन के मुताबिक संसद के निचले सदन की इमारत में पुरुषों के लिए 12 टॉयलेट (67 स्टॉल) हैं, जबकि महिलाओं के लिए सिर्फ 9 टॉयलेट, जिनमें कुल 22 क्यूबिकल हैं। मेन प्लेनरी सेशन हॉल जहां संसद की कार्यवाही होती है, वहां पर महिलाओं के लिए सिर्फ 1 टॉयलेट है। सेशन शुरू होने से पहले कई बार लाइन इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि महिला सांसदों को बिल्डिंग के दूसरे हिस्से में बाथरूम के लिए जाना पड़ता है।

जापान की संसद की इमारत टोक्यो में है। इसका निर्माण 1936 में हुआ था। यह इमारत उस समय बनी थी, जब राजनीति में महिलाओं की भागीदारी लगभग नहीं के बराबर थी।

महिलाओं को वोटिंग राइट्स नहीं था, तब बनी थी बिल्डिंग

जापान की संसद (डाइट) की इमारत 1936 में बनी थी। तब देश में महिलाओं को वोट देने का भी अधिकार नहीं मिला था। दूसरे विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद दिसंबर 1945 में महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला। एक साल बाद 1946 में हुए चुनाव में जापान में महिलाएं संसद के लिए चुनकर आईं।

वहीं, पुरुष सांसदों के लिए कई टॉयलेट पास-पास हैं। उन्हें ऐसी दिक्कत से गुजरना नहीं पड़ता।

चुनावों के दौरान महिला उम्मीदवारों का कहना है कि उन्हें अक्सर सेक्सिस्ट टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि उन्हें कहा जाता है कि उन्हें राजनीति की जगह घर में बच्चों की देखभाल करनी चाहिए। फिलहाल निचली सदन के 465 सांसदों में से 72 महिलाएं हैं, जो पिछली संसद में 45 थीं। ऊपरी सदन में 248 में से 74 सदस्य महिलाएं हैं। सरकार का लक्ष्य है कि संसद की कम से कम 30% सीटों पर महिलाएं हों।

लॉस एंजिलिस, शिकागो और पोर्टलैंड से नेशनल गार्ड को बुलाया गया वापस

नई दिल्ली, एजेंसी

नए साल 2026 के पहले दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक बड़ा एलान किया है। ट्रंप ने अमेरिका के कुछ शहरों में सैन्य तैनाती को लेकर कई कानून झटकों के बाद शिकागो, लॉस एंजिलिस और पोर्टलैंड से नेशनल गाड्‌र्स सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है।

दरअसल, ट्रंप ने साल 2025 में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के दूसरे कार्यकाल के पहले साल में अवैध इमीग्रेशन और अपराध पर लगाम लगाने उद्देश्य से डेमोक्रेट्स शासित इन तीन शहरों में NSG भेजा था।

हालांकि, उस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के इस फैसले को स्थानीय नेताओं ने निरंकुशतापूर्ण अतिक्रमण बताया था। वहीं, इस फैसले की आलोचना भी की थी। इस दौरान कई स्थानीय नेताओं ने राष्ट्रपति के इस कदम के खिलाफ कानूनी चुनौतियां पेश कीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर

दावा किया कि हम शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड से नेशनल गार्ड को हटा रहे हैं, इन महान देशभक्तों की मौजूदगी से अपराध में काफी कमी आई है और सिर्फ इसी वजह से। उन्होंने आगे कहा कि अगर संघीय सरकार ने हस्तक्षेप न किया होता तो ये तीनों शहर पूरी तरह से बर्बाद हो चुके होते।

साल 2025 दिसंबर में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को शिकागो क्षेत्र में इमीग्रेशन पर लगाम कसने के तहत नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती की अनुमति देने से अनुमति देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, यह आदेश कोई अंतिम फैसला नहीं था, लेकिन ट्रंप के लिए बड़ा झटका था।

फास्ट न्यूज

दिसंबर में जीएसटी कलेक्शन 6.1% बढ़कर 1.74 लाख करोड़ पार

नई दिल्ली । दिसंबर 2025 में GST कलेक्शन 6.1% बढ़कर 1.74 लाख करोड़ रुपए के पार निकल गया है। 1 जनवरी को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर 2024 में यह आंकड़ा 1.64 लाख करोड़ था। दिसंबर महीने के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो विदेशी सामानों के आयात से होने वाली कमाई में 19.7% बढ़ी है।

सोने-चांदी के भाव में लगातार तीसरे दिन गिरावट

मुंबई । नए साल के पहले दिन आज यानी 1 जनवरी 2026 को सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 44 रुपए गिरकर 1,33,151 रुपए पर आ गया है। कल यह 1,33,195 रुपए/10g पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,520 रुपए कम होकर 2,27,900 रुपए पर आ गई है। कल इसकी कीमत 2,30,420 रुपए किलो थी। आज लगातार तीसरा दिन है जब सोने चांदी के दाम में गिरावट है।

फरवरी से 15 वाली सिगरेट 18 की हो सकती है

नई दिल्ली । अगले महीने से सिगरेट की कीमतें 20% तक बढ़ सकती है। इसकी वजह है सरकार की और से लगाई गई एक्साइज ड्यूटी। इसे लेकर 31 दिसंबर को एक नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके मुताबिक 1 फरवरी 2026 से सिगरेट की प्रति 1,000 स्टिक्स पर 2,050 रुपए से लेकर 8,500 रुपए तक की ड्यूटी ली जाएगी।

दुनिया में पहली बार किसी देश में चिट्ठी भेजने का सर्विस हुआ बंद

थम जाएगी 401 साल पुरानी परंपरा

नई दिल्ली, एजेंसी

डेनमार्क ने 401 साल पुरानी परंपरा को अलविदा कह दिया है। देश की डाक सेवा पोस्टनॉर्ड ने घरेलू चिट्ठियों की डिलीवरी पूरी तरह रोक दी है। दुनिया का पहला देश बन गया है डेनमार्क, जहां अब फिजिकल चिट्ठियां जरूरी या फायदे का धंधा नहीं रहीं है।

आखिरी बार आपने चिट्ठी डाली कब थी? शायद काफी समय हो गया होगा। आजकल ईमेल, मैसेज और डीएम ने पुरानी चिट्ठियों की जगह ले ली है। डेनमार्क में अब उन मशहूर लाल डाकबॉक्स में चिट्ठी डालना मुमकिन नहीं रहा। देश पूरी तरह डिजिटल युग में कदम रख चुका है। पिछले 25 सालों में डेनमार्क में भेजी जाने वाली चिट्ठियों की तादाद 90 फीसदी कम हो गई है। साल 2000 में पोस्टनॉर्ड ने करीब 1.5 अरब चिट्ठियां पहुंचाई

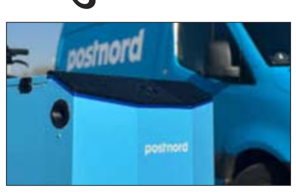

थीं। लेकिन पिछले साल यह संख्या घटकर सिर्फ 11 करोड़ रह गई।

पोस्टनॉर्ड की प्रेस प्रमुख इसाबेला बेक जोर्गेनसेन ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया, ४पिछले 20 सालों से चिट्ठियों में बहुत बड़ी कमी आई है। अब ज्यादातर संवाद इलेक्ट्रॉनिक तरीके से होता है।

उन्होंने कहा कि डेनमार्क दुनिया के सबसे डिजिटलाइज्ड देशों में से एक है। यहां लोग सरकारी काम से लेकर निजी बातचीत तक सब कुछ ऑनलाइन करते हैं। यही वजह है कि चिट्ठियां अब पुरानी पड़ गई हैं।

जून से पोस्टनॉर्ड ने देश भर में फैले 1500 लाल डाकबॉक्सों को हटाना शुरू कर दिया था।

कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली, न्यूयॉर्क के इतिहास में ऐसा पहली बार

भारतवंशी जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बने

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारतीय मूल के जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार को कुरान पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। अब तक न्यूयॉर्क सिटी के अधिकतर मेयर बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ लेते रहे हैं।

हालांकि संविधान के तहत शपथ के लिए किसी धार्मिक ग्रंथ का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं है। 34 साल के डेमोक्रेट ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम, पहले दक्षिण एशियाई और पहले अफ्रीका में जन्मे मेयर हैं।

ममदानी ने न्यूयॉर्क के सिटी हॉल के नीचे स्थित एक बंद पड़े सबवे स्टेशन में शपथ ली। यह एक प्राइवेट समारोह था, जिसमें ममदानी

का परिवार शामिल हुआ। इसके बाद दोपहर में एक सार्वजनिक शपथ ग्रहण समारोह होगा। ममदानी ने दो कुरानों पर हाथ रख कर शपथ ली। इनमें एक उनके दादा की कुरान और दूसरी जेब में रखी जाने वाली छोटी कुरान थी। कहा जा रहा है कि पॉकेट साइज कुरान 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की की है। यह कुरान न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी के शॉम्बर्ग सेंटर फॉर रिसर्च इन ब्लैक कल्चर के संग्रह का हिस्सा है। शॉम्बर्ग सेंटर में मौजूद पॉकेट साइज कुरान अश्वेत प्यूर्टो रिकन इतिहा-सकार आर्तुरो शॉम्बर्ग के संग्रह का हिस्सा थी। यह स्पष्ट नहीं है कि यह कुरान ममदानी के पास कैसे पहुंची, लेकिन स्कॉलर्स का मानना है कि यह अमेरिका और अफ्रीका में इस्लाम और अश्वेत संस्कृतियों के ऐतिहासिक संबंधों में उनकी रुचि को दर्शाती है।

दूसरी बार शपथ में अपने दादा-दादी की कुरान का इस्तेमाल करेंगे

दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में ममदानी अपने दादा और दादी, दोनों की कुरानों का इस्तेमाल करेंगे। इन कुरानों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। शपथ ग्रहण के लिए कुरान का चयन ममदानी की पत्नी रमा दुवाजी ने किया है। इस काम में उनकी मदद करने वाली एक स्कॉलर के अनुसार, शपथ के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ये कुरान शहर की बड़ी और लंबे समय से मौजूद मुस्लिम आबादी को दर्शाता है। बता दें कि चुनाव अभियान के दौरान ममदानी ने महंगाई को प्रमुख मुद्दा बनाया था। साथ ही उन्होंने अपने धार्मिक विश्वास भी खुलकर सामने रखे। उन्होंने शहर के मस्जिदों का दौरा किया और पहली बार मतदान करने वाले कई दक्षिण एशियाई और मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल किया।

> **न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी की क्यूरेटर हिबा आबिद के अनुसार, इस कुरान की न्यूयॉर्क तक की यात्रा ममदानी के बैकग्राउंड से मेल खाती है। ममदानी भारतीय मूल के न्यूयॉर्कवासी हैं, जिनका जन्म युगांडा में हुआ, जबकि उनकी पत्नी अमेरिकी-सीरियाई हैं।**

बीईई स्टार रेटिंग के नए नियम आज से लागू, कॉपर की बढ़ती कीमतों का भी असर

इलेक्ट्रॉनिक सामान 10% तक हो सकते हैं महंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

नए साल में रेफ्रिजरेटर (फ्रिज) और एयर कंडीशनर (AC) जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण महंगे हो सकते हैं, क्योंकि आज (1 जनवरी) से ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (BEE) के नए स्टार रेटिंग नियम लागू हो गए हैं। इसके चलते रूम एयर कंडीशनर की कीमतों में 10% और फ्रिज के दाम में 5% तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

कंपनियों का कहना है कि नई रेटिंग के हिसाब से मशीनरी में बदलाव और महंगे कंपोनेंट्स के इस्तेमाल की वजह से यह इजाफा जरूरी हो गया है। साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी और

ग्लोबल मार्केट में कॉपर (तांबा) के बढ़ते दाम भी मैन्युफैक्चरर्स पर दबाव बना रहे हैं।

BEE के नए नियमों के तहत एनर्जी एफिशिएंसी के मानक सख्त हो गए हैं। ब्लू स्टार के मैनेजिंग डायरेक्टर बी. त्यागराजन ने बताया कि नए नियम लागू होने के बाद आज का 5-स्टार AC कल का 4-स्टार बन जाएगा। इसी तरह मौजूदा 4-स्टार को 3-स्टार और 3-स्टार को 2-स्टार रेटिंग दी जाएगी। इसी साल सितंबर में सरकार ने रूम एयर कंडीशनर पर GST में 10% की कटौती की थी, जिससे ग्राहकों को राहत मिली थी। हालांकि, अब स्टार रेटिंग में बदलाव और रॉ मटेरियल महंगा होने से कीमतों में जो बढ़ोत्तरी होगी, उससे GST का फायदा लगभग खत्म हो जाएगा। डाइकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया के चेयरमैन कंवलजीत जावा का कहना है कि नई कीमतों के बाद दाम उसी स्तर पर पहुंच सकते हैं, जो GST कटौती से पहले थे।

> **त्यागराजन के मुताबिक, नया 5-स्टार एसी आज के मुकाबले 10% ज्यादा बिजली बचाएगा, लेकिन इसकी कीमत भी करीब 10% ज्यादा होगी। यह एक तरह से पूरी तरह नया प्रोडक्ट होगा जो आज के 6 या 7-स्टार रेटिंग के बराबर की एफिशिएंसी देगा।**

टीवी और गैस चूल्हों पर भी स्टार रेटिंग अनिवार्य

BEE ने केवल AC और फ्रिज ही नहीं, बल्कि कई अन्य घरेलू उपकरणों के लिए भी स्टार लेबलिंग अनिवार्य कर दी है। 1 जनवरी से टेलीविजन (TV), LPG गैस चूल्हे, कूलिंग टावर्स और चिलर्स पर भी स्टार रेटिंग देना जरूरी होगा। इससे ग्राहकों को सामान खरीदते समय यह समझने में आसानी होगी कि कौन सा उपकरण कितनी बिजली या गैस की बचत करेगा।

इनपुट कॉस्ट और डॉलर का बढ़ता दबाव

गोदरेज अप्लायंसेज के बिजनेस हेड कमल नंदी ने कहा कि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडस्ट्री इस वक्त दोहरी मार झेल रही है। एक तरफ रुपए की गिरती वैल्यू और कॉपर जैसी कमोडिटीज की बढ़ती कीमतें हैं, तो दूसरी तरफ एनर्जी रेटिंग में बदलाव। इन सबको मिलाकर AC की कीमतों में 5-7% और फ्रिज में 3-5% तक की बढ़ोत्तरी तुरंत देखने को मिल सकती है।

सेंसेक्स 32 अंक गिरकर 85,189 पर हुआ बंद

मुंबई, एजेंसी

साल के पहले दिन आज यानी गुरुवार 1 जनवरी 2026 को शेयर बाजार में फ्लैट कारोबार हुआ। सेंसेक्स 32 अंक गिरकर 85,189 पर बंद हुआ। निफ्टी में 17 अंक की बढ़त रही, ये 26,147 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 21 शेयरों में तेजी रही। निफ्टी के 50 में से 38 शेयर चढ़े। आज ऑटो, IT और मेटल शेयर्स में बढ़त रही। वहीं FMCG और फार्मा शेयर्स में गिरावट रही।

अगले महीने से सिगरेट की कीमतें 20% तक बढ़ सकती है। इसकी वजह है सरकार की और से लगाई गई एक्साइज ड्यूटी। टैक्स बढ़ने की खबर का असर शेयर बाजार पर भी दिखा। देश की सबसे बड़ी सिगरेट कंपनी ITC के शेयर आज 9.69% गिरकर 363.95 रुपए पर बंद हुआ। वहीं, मार्लबोरो जैसे ब्रांड बेचने वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स का शेयर भी 17.17% तक

निफ्टी में 17 अंक की बढ़त रही, ऑटो और आईटी शेयर्स में तेजी एफएमसीजी और फार्मा लुढ़के

लुढ़क गया। 31 दिसंबर को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 3,597.38 करोड़ के शेयर बेचे और घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 6,759.64 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे।

दिसंबर में 31 तारीख तक FIIs ने कुल 34,349.62 करोड़ के शेयर्स बेचे। इस दौरान बाजार को संभाल रहे DIIs ने 79,619.91 करोड़ के शेयर खरीदे हैं।

हमला : कम से कम 24 लोग मारे गए और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए

नए साल के पहले दिन ही यूक्रेन ने किया रूस पर ड्रोन अटैक

हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी

नए साल के पहले ही दिन यूक्रेन ने रूस पर ड्रोन से हमला किया है। क्रेमलिन ने आरोप लगाया है कि उसके कब्जे वाले खेरसॉन इलाके में एक होटल कैफे पर यूक्रेनी ड्रोन ने हमला किया, जहां पर नए साल की पार्टी चल रही थी। इस हमले में कम से कम 24 लोग मारे गए और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

यूक्रेन के दक्षिणी खेरसॉन इलाके के रूस द्वारा नियुक्त गवर्नर

व्लादिमीर साल्डो ने कहा कि यह हमला खोरली में हुआ, जो रूस-नियंत्रित क्रीमिया प्रायद्वीप के पास एक तटीय गांव है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 28-29 दिसंबर की रात को नोवगोरोड क्षेत्र में पुतिन के आवास को निशाना बनाया गया और बड़े पैमाने पर ड्रोन को रोका गया था। रूसी अधिकारियों ने दावा किया कि इस घटना के दौरान 91 ड्रोन लॉन्च किए गए थे और कहा कि सभी को हवाई सुरक्षा द्वारा रोक दिया गया था।

मंत्रालय ने कहा कि ड्रोन में छह किलोग्राम विस्फोटक था, लेकिन यह भी बताया कि घर को कोई नुकसान हुआ या नहीं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह कथित हमला टारगेटेड, सावधानी से प्लान किया गया और कई चरणों में किया गया। हालांकि इस हमले की पुष्टि नहीं हो सकी है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, टेलीग्राम पर एक पोस्ट में साल्डो ने कहा कि ड्रोन हमला एक होटल और कैफे पर हुआ, जहां नए साल का जश्न मना रहे लोग इकट्ठे हुए थे।

रूस और यूक्रेन के बीच खत्म नहीं हो रहा तनाव

यह दावा ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने रात का फुटेज जारी किया है, जिसमें उत्तर-पश्चिम रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक आवास के पास गिराए गए एक यूक्रेनी ड्रोन का मलबा दिखाया गया है।

मॉस्को ने इस कथित घटना को आतंकवादी हमला और पुतिन पर व्यक्तिगत हमला बताया है। वहीं, इन आरोपों को कीव ने सिरे से खारिज करते हुए उन्हें मनगढ़ंत बताया है। बुधवार को जारी किए गए वीडियो में एक जंगल वाले इलाके में बर्फ में एक क्षतिग्रस्त मानवरहित हवाई वाहन पड़ा हुआ दिख रहा है।

चीन में 'एक बच्चा नीति' खत्म होने के 10 साल पूरे

फिर भी नहीं बढ़ रही जन्म दर, अब सता रहा ये डर

नई दिल्ली, एजेंसी

चीन इस समय अपने देश के युवाओं से अपील कर रहा है, वह अधिक से अधिक बच्चे पैदा करें, जिससे देश की डेमोग्राफी पर खास असर ना पड़े। चीन ने अपनी अपनी 'एक-बच्चा' नीति को करीब एक दशक पहले खत्म कर दिया था। इसके बाद भी चीन के लोगों को ज्यादा बच्चे पैदा करने की कोशिश अपने नागरिकों को रास नहीं आ रही है। दरअसल, लोगों का मानना है कि परिवार में अधिक लोगों का रहना, प्रतिदिन के खर्चों को बढ़ाने के बराबर है। ऐसे में कई परिवार ऐसे हैं, जो एक से अधिक बच्चा नहीं पैदा करना चाहते हैं। चूंकि चीन ने दशकों तक 'एक-बच्चा' नीति रखी है, जिसके बाद देश में जनसंख्या की एक नई समस्या खड़ी हो गई है।

बता दें कि 1 जनवरी को चीन की बदनाम वन-चाइल्ड पॉलिसी को

खत्म किए 10 साल पूरे हो गए हैं। सरकार को एहसास हुआ था कि गिरती जन्म दर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी की ग्रोथ को पटरी से उतार सकती है। लेकिन इस बड़े बदलाव और कपल्स को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले दूसरे कई उपायों के बावजूद आबादी बढ़ाने में कामयाबी नहीं मिली है।

साल 2024 तक तीन सालों में चीन की आबादी कम हो गई। उस साल जन्मों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, लेकिन यह मौतों की संख्या से ज़्यादा नहीं थी, और उम्मीद नहीं है कि यह कोई लंबे समय तक चलने वाला ट्रेंड होगा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96